हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिन करें
WWW.yashbharat.co.in

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 30- ● जबलपुर ● बुधवार, 2 मार्च, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष-अमावस्या ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

पोलैंड में इंडियन एम्बेसी का मिशन इम्पॉसिबल भारत के अफसरों का कमाल

बमबारी के बीच 30 किमी घुसकर निकाल लाए 500 छात्र

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद पोलैंड बॉर्डर से पहले भारतीय छात्रों को कई किलोमीटर पैदल चलकर आना पड़ रहा था। फिर खबरें भी आने लगीं कि यूक्रेन बॉर्डर पुलिस भारतीयों को टॉर्चर कर रही है, ऐसे में पोलैंड में मौजूद इंडियन एम्बेसी ने ऐसे मिशन को अंजाम दिया जो जंग के हालात में इम्पॉसिबल था। एम्बेसी ने भारतीयों को लाने के लिए यूक्रेन बॉर्डर के अंदर घुसने का फैसला किया। लगातार बिगड़ते हालात और गोलीबारी के बीच यह काम नामुमकिन जैसा ही था। मिशन था- यूक्रेन में 30 किलोमीटर अंदर घुसना और सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालकर पोलैंड पहुंचाना।एम्बेसी के साथ इस मिशन को लीड करने वाले भारतीय मूल के बिजनेसमैन अमित लाथ ने भास्कर को बताया कि पोलैंड से 444 भारतीय छात्रों को मंगलवार शाम भारत के लिए रवाना किया गया।इन छात्रों को निकालने के लिए युद्ध शुरू होते ही इंडियन एम्बेसी एक्टिव हो गई थी। उसके इस मिशन में इंडो-पोलिश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने रणनीति बनाने में मदद की। इस मिशन को अंजाम देने के लिए युद्धग्रस्त यूक्रेन बॉर्डर के अंदर 30 से 50 किलोमीटर पैदल चलकर आ रहे भारतीय छात्रों को पोलैंड के सुरक्षित क्षेत्र में लाना था।

भारतीयों का सामान लूट रहे पाकिस्तानी स्टूडेंट्स

नई दिल्ली। जंग तो रूस और यूक्रेन के बीच है। मिसाइल और बम के हमले हो रहे हैं। हर किसी को जान बचाने की फिक्र है, लेकिन इन हालात में भी पाकिस्तानी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन में पाकिस्तानी नागरिक भारतीय छात्रों के साथ लूटपाट कर रहे हैं। पाकिस्तान के अलावा नाइजीरिया के स्टूडेंट्स भी इसी तरह की हरकतें कर रहे हैं। भारतीय स्टूडेंट्स के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यहां से सुरक्षित निकलने की है। दरअसल, भारतीय छात्र एम्बेसी के एक फैसले से परेशान हैं। एम्बेसी कह रही है, अपने रिस्क पर बॉर्डर तक आओ, लेकिन यूक्रेन में कर्फ्यू है और बाहर निकलने वालों को गोली मारने के आदेश हैं।

24 घंटों में 1377 आए

यूक्रेन में युद्ध के संकट के बीच भारत अपने लोगों को निकालने का हर संभव प्रयास कर रहा है। यूक्रेन में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। राजधानी कीव पर इस समय संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में भारत के लोगों को कीव से अलग शिफ्ट किया गया है और उन्हें पड़ोसी देशों के जरिए भारत वापस लाया जा रहा है। भारत ने इस मिशन को ऑपरेशन गंगा नाम दिया है। भारत ने पिछले 24 घंटे में 1377 लोगों को निकाल लिया है।

यूक्रेन से गृह नगर तक पहुंच रहे मध्यप्रदेश के विद्यार्थी

सीएम ने कहा छात्रों को कोई कष्ट नहीं होने देंगे

भोपाल। प्रदेश के विभिन्न स्थानों के ऐसे विद्यार्थी जो यूक्रेन में फंसे हुए थे, वे सुरक्षित अपने परिवारों तक पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के प्रयासों और मध्यप्रदेश सरकार के आवश्यक समन्वय से विद्यार्थियों को भारत लाने और गृह नगर तक सुविधाजनक ढंग से पहुंचाने के कार्य को सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश के आज 9 छात्रों को यूक्रेन से सुरक्षित निकालकर भारत वापस लाया गया है। उन्हें उनके घर पहुंचाया जा रहा है। इनमें भोपाल और ग्वालियर के 2, जबलपुर, इंदौर, छिंदवाड़ा, रतलाम और नर्मदापुरम के एक-एक छात्र शामिल हैं। अब तक 46 विद्यार्थी लौट आए हैं। यूक्रेन से स्वदेश तक और फिर मध्यप्रदेश तक वापसी की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को कोई कष्ट नहीं होने देंगे।

6 मई को खुलेंगे केदारनाथ के कपाट

नई दिल्ली। उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के कपाट 6 मई को सुबह 6:25 बजे खोले जाएंगे। महाशिवरात्रि पर ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में पूजा के बाद तिथि की घोषणा की गई। केदारनाथ के कपाट सर्दियों में बंद कर दिए जाते हैं। मंदिर प्रशासन ने बताया कि श्रद्धालुओं को मंदिर में कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भक्त दर्शन कर सकेंगे।

ओडिशा में पेड़ से टकराई कार

छग के एक ही परिवार के6 लोगों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा में एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के निवासी हैं। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे नुआपाड़ा जिले के जोंक थाना अंतर्गत सुनसुनिया में यह हादसा हुआ है। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर कर पेड़ से टकराई। इस हादसे में एक बालक व एक महिला समेत कुल 6 लोगों की मौत हुई है। सभी शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सभी मृतक छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के बसना थाना क्षेत्र के ग्राम रसोड़ा के निवासी है। सभी एक शादी समारोह में शामिल होने सिंधीकेला ओडिशा जा रहे थे। सुनसुनिया स्थित महामाया कॉलेज के पास नुआपड़ा-बरगढ़ बीजू एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे ही थे कि ड्राइवर सुकनाथ का नियंत्रण कार से हट गया। तेज रफ्तार कार` 10 फीट नीचे उतरकर पेड़ से जा टकराई। प्रदीप मल्लिक (50 वर्ष), बसंती मल्लिक (45 वर्ष), जगदीश साहू (45 वर्ष), मानस साहू (12), शत्रुघन प्रधान (65 वर्ष) व सुकनाथ भोई (50) की मौके पर मौत हो गई।

अरबों डॉलर का खर्च, लाखों बेघर, सैकड़ों मौतें

रूस-यूक्रेन युद्ध लाया बर्बादी की सुनामी...

कीव/मॉस्को । रूस और यूक्रेन के बीच भीषण जंग जारी है। सात दिन बाद भी रूस कीव और खारकीव जैसे शहरों पर कब्जा नहीं कर पाया है। यूक्रेन की सेना की ओर से मिलने वाली कड़ी टक्कर के बावजूद जेलेंस्की का देश भारी तबाही देख रहा है। सोमवार से रूस ने क्लस्टर बम और वैक्यूम बमों जैसे विनाशकारी हथियारों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है और दोनों पक्ष दुश्मन को गहरी चोट पहुंचाने का दावा कर रहे हैं। यूक्रेन के रक्षा मंत्री का दावा कि 5710 से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हो गई है। युद्ध में हर दिन 20 बिलियन डॉलर खर्च हो रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

खार्किव में रूसी पैराट्रूप्स उतरे, अस्पताल पर किया हमला

रूसी टैंक को चुरा ले गया किसान

सोशल मीडिया पर भी यूजर्स जंग के मैदान की तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रहे हैं। हाल ही में ऐसा ही वीडियो लोगों के बीच वायरल हो रहा है। जिसे देखकर लोग मुस्कुरा रहे हैं। एक और वीडियो सामने आया है जब एक रूसी टैंक को यूक्रेन का एक किसान अपने ट्रैक्टर से खींचकर चुरा ले गया।

खारकीव में 21 यूक्रेनियों की मौत

खारकीव में एयरट्रूपर्स उतारने के बाद रूसी सेना ने हमले तेज कर दिए हैं। अस्पताल पर हमले के बाद खारकीव से एक और बड़े धमाके की खबरे सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि, इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गई, वहीं 112 लोग घायल हुए हैं। कीव पर कब्जे को लेकर छिड़ी जंग में यूक्रेन से बड़ी संख्या में पलायन हो रहा है। राजधानी कीव से सामने आई ट्रेनों में भीड़ की तस्वीर डराने वाली हैं। इस बीच सामने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक करीब सात लाख से ज्यादा लोग यूक्रेन छोड़कर पड़ोसी देशों में रहने लगे हैं। यह संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

7 लाख से ज्यादा लोगों का यूक्रेन से पलायन

रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव को तबाह करने में जुटी है। ऐसे में यूक्रेन के लोगों को देश की रक्षा के लिए मोलोटोव कॉकटेल पेट्रोल बम बनाने की सलाह दी गई है। अपनी सेना की मदद के लिए यूक्रेनी हरसंभव मदद करने के लिए तैयार हैं। एक तरफ जहां यूक्रेनी महिलाएं और बच्चे अपने देश के लिए पेट्रोल बम बना रहे हैं।

बाइडन की रूस को चेतावनी

तानाशाह को कीमत चुकानी पड़ेगी उन्होंने बड़ी गलती कर दी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को अमेरिकी संसद में स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि, पुतिन ने बड़ी गलती कर दी है। उन्होंने बिना किसी उकसावे के यूक्रेन पर हमला किया है। पुतिन को लगता था कि यूक्रेन कमजोर है, उसे आसानी से रौंदा जा सकता है। हालांकि, उनका यह अनुमान गलत था। इस दौरान बाइडन ने एक बार फिर से साफ किया कि, अमेरिका रूस के साथ सीधे युद्ध के लिए अपने सैनिक नहीं भेजेगा। हालांकि, यूक्रेन की मदद करता रहेगा। जो बाइडन ने इस दौरान यूक्रेन को 100 करोड़ डॉलर की मदद का एलान किया। इसके साथ ही उन्होंने रूस के लिए अमेरिका के एयरस्पेस को भी पूरी तरह से बंद कर दिया। जो बाइडन ने कहा कि, यह जंग लोकतंत्र बनाम तानाशाही की है। पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके बड़ी गलती कर दी है। तानाशाहों को हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है। आज रूस की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

ग्वालियर में दलित आरटीआई एक्टिविस्ट की बुरी तरह पिटाई

जूते में भरकर पिलाई पेशाब

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एक दलित आरटीआई एक्टिविस्ट को पीटने और पेशाब पीने के लिए मजबूर करने के मामला सामने आया है। ग्वालियर के एक गांव में पंचायत खर्च को लेकर दाखिल किए गए आरटीआई आवेदन से नाराज सात लोगों के एक समूह ने दलित एक्टिविस्ट को पीटा और फिर जूते में भरकर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया। ग्वालियर के एसपी अमित सांघी ने बताया कि घटना 23 फरवरी को हुई थी और अब तक मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित शशिकांत जाटव को काफी गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उसे एम्स-दिल्ली रेफर किया गया था। पुलिस ने बताया कि पीड़ति ने अपने बयान में सात लोगों का नाम लिया है। संदिग्धों की पहचान आशा कौरव, संजय कौरव, धामू, भूरा, गौतम, विवेक शर्मा और सरनाम सिंह के रूप में हुई है। जाटव ने पुलिस को बताया कि उसने ग्वालियर से करीब 30 किलोमीटर दूर बरही ग्राम पंचायत द्वारा खर्च के ब्योरे की मांग को लेकर उसने एक आरटीआई दायर की थी। उसके आवेदन की वजह से बरही के सरपंच के पति सहित पंचायत के कुछ अधिकारी नाराज हो गए। शिकायत के मुताबिक, इसके बाद उन लोगों ने एक योजना बनाई और जाटव को 23 फरवरी को गांव का दौरा करने के लिए कहा। शिकायत में कहा गया है कि जब जाटव गांव में पहुंचे, तो उन्हें कथित तौर पर उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया ।

अडानी से फिर पिछड़े अंबानी, छिन गया एशिया के सबसे अमीर का ताज

नई दिल्ली। गौतम अडानी एक बार फिर मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स में दिए गए 10:56 बजे तक आंकड़ों के मुतातिक, 59 साल के अडानी की नेटवर्थ 89.6 अरब डॉलर पहुंच चुकी है, जबकि अंबानी की नेटवर्थ 89.6 अरब डॉलर ही है।

24 घंटे में 6, 915 नए केस मिले

180 मरीजों की मौत,98.59प्रश हुआ रिकवरी रेट

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में गिरावट लगातार जारी है। पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना के 6,915 नए पॉजिटिव केस मिले हैं, जो सोमवार से 14त्न कम है। साथ ही मंगलवार को 180 मरीजों की मौत हो गई। अच्छी बात यह है कि बीते दिन 16,864 मरीज कोरोना महामारी को हराकर स्वस्थ्य हुए। अगर कोरोना के एक्टिव मामलों की बात करें तो पिछले 24 घंटों में 10,129 एक्टिव केस कम हुए, फिलहाल देश में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 92,472 है।मंगलवार को देश में कोरोना के 8,013 नए पॉजिटिव केस मिले और 119 मरीजों की मौत हुई थी।

सेंसेक्स 700 पॉइंट्स गिरा

एक मिनट में निवेशकों के ढाई लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज भारी गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स पहले ही मिनट में 700 पॉइंट्स गिरकर 55,577 पर पहुंच गया है। इससे निवेशकों को ढाई लाख करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप जो सोमवार को 252.36 लाख करोड़ रुपए था जो आज 251 लाख करो? रुपए है। बैंकिंग शेयर्स की जमकर पिटाई हो रही है। गिरने वालों में ढ्ढष्टढ्ढष्टढ्ढ बैंक का शेयर 4प्रश टूटा है जबकि ।ष्ठस्नष्ट बैंक 3त्न गिरा है। स्क्चढ्ढ का शेयर 2त्न नीचे है। एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और ।ष्ठस्नष्ट के स्टॉक 2-2त्न गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 388 पॉइंट्स ब?कर 56,247 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 135 अंक तेजी के साथ 16,793 पर बंद हुआ।

अध्ययन में दावा | नीम से होगा कोरोना का इलाज, बनेगी एंटी वायरल दवा

फेफड़ों में संक्रमण रोकने में मददगार

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों का दावा है कि नीम की छाल से कोरोना संक्रमण को रोका व इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। उन्हें उम्मीद है कि कोविड के नए वैरिएंट आने पर नई दवा नहीं तलाशनी पड़ेगी। दोनों देशों के वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर मॉडलिंग के जरिये इसका पता लगाया है।कई तरह की शारीरिक बीमारियों को ठीक करने में एक औषधि के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले नीम से अब कोरोना का भी इलाज हो सकता है। भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों का दावा है कि नीम की छाल से कोरोना संक्रमण को रोका व इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नीम की छाल के रस का प्रभाव कोरोना संक्रमित फेफड़ों पर पड़ता है, जो वायरस को बढ़ने के प्रभाव और संक्रमण को कम करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो एनशूट्ज मेडिकल कैंपस और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसइआर) कोलकाता के वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर मॉडलिंग के जरिये पता लगाया गया कि नीम की छाल का रस वायरस के स्पाइक प्रोटीन से चिपकने में सक्षम है। इससे कोरोना वायरस इंसानी शरीर के होस्ट सेल्स को संक्रमित नहीं कर पाएगा। जर्नल वायरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वैज्ञानिकों का उद्देश्य कोरोना के खिलाफ नीम पर आधारित दवा बनाना है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हर बार नया कोरोना वैरिएंट आने पर नए उपचार विकसित नहीं करने होंगे।

अस्पताल में भर्ती होने का खतरा टलेगा

वैज्ञानिक मारिया नेगल ने कहा कि जिस तरह गला खराब होने पर हम पेनिसिलिन की गोली खाते हैं, उसी तरह कोरोना होने पर नीम से बनी हुई दवा का इस्तेमाल होगी। इससे गंभीर संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने का खतरा बहुत कम हो जाएगा।

दवा बनाकर तय की जाएगी खुराक

वैज्ञानिकों के मुताबिक, फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि नीम की छाल के रस का कौन सा कॉम्पोनेंट कोरोना के खिलाफ काम करता है। इसके बाद नीम से एंटी वायरल दवा बनाकर उसकी खुराक तय की जाएगी।

बंगाल निकाय चुनाव परिणाम में अधिकारी परिवार को बड़ा झटका

टीएमसी ने किया सफाया

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में 27 फरवरी को हुए 108 नगर निकायों के चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। 2,171 पार्षदों का चुनाव करने के लिए 95 लाख से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की कई घटनाओं के बावजूद 78 फीसदी से अधिक मतदान दर्ज किया गया। 30 साल में पहली बार भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को झटका लगा है। टीएमसी ने सुवेंदु के गढ़ माने जाने वाले कांथी नगर पालिका के 21 में से 18 वार्डों में जीत हासिल की है। भाजपा ने दो वार्डों में जीत हासिल की है और एक वार्ड में एक निर्दलीय आगे चल रहा है। 30 वर्षों में यह पहली बार है जब कांथी नगर पालिका अधिकारी परिवार के बिना होगी।

देर रात तक गूंजते रहे बम-बम भोले के जयकारे

जबलपुर,यशभारत। महाशिवरात्रि पर शहर भर में मंगलवार देर रात तक भगवान भोलेनाथ के बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे थे। रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा के साथ शहर के मुख्य मार्गों में बारातों की धूम रही। कई शिवालयों में पूजन के लिए लंबी कतार देखी गई। कोरोना के बाद लगे प्रतिबंधों में छूट से हर जगह से भगवान की बरात निकाली गई। दूल्हा वेष में भगवान नंदी पर सवार होकर बरात में निकले। बरात में भगवान की जीवंत झांकियों को शोभायात्रा में शामिल किया गया। भरतीपुर स्थित शिव-पार्वती मंदिर से परंपरानुसार बरात निकाली गई। जिसमें पिंटू सोनकर को भगवान शंकर की वेशभूषा में तैयार किया गया। जो सभी के लिए आकर्षित रहा। बरात भरतीपुर से शुरू हुई और करमचंद चौक, मालवीय चौक, मिलौनीगंज, हनुमानताल, घमापुर होते हुए वापस मंदिर पहुंची। रात में भगवान की पांव पखराई की रस्म हुई। बरात का स्वागत करने के लिए जगह-जगह मंच बनाए गए थे। जहां से भगवान की आरती उतारकर बरात का स्वागत किया गया। गोरखपुर स्थित शिव शक्ति महाकाल मंदिर से भव्य विशाल और इंद्रधनुषी आभा से युक्त मनमोहक शिव बारात निकाली गई। नंदी के ऊपर सवार शिव जी की सजीव झांकी श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण और आस्था का केंद्र रही। बरात में शामिल सैकड़ों की संख्या में कलशधारी महिलाएं, शेर नृत्य के साथ ही बैंड दल चल रहा था। शोभायात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की मनोहारी प्रतिमाएं बरबस ही आकर्षित कर रहे थे। अनेक गणमान्य एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्त बरात में शामिल हुए।मां सिद्धिदात्री मंदिर प्रांगण बड़ी खेरमाई भानतलैया से भगवान की बरात निकाली गई। जो विभिन्न मार्गों से होते हुए सिद्धबाबा मंदिर प्रांगण पहुंची। 360 गौत्रीय क्षत्रिय खटीक समाज द्वारा भगवान की बरात में भक्त ढोल नगाड़ों के साथ चल रहे थे। इस दौरान भ?य आतिशबाजी की गई। बरात में विधायक लखन घनघोरिया, अध्यक्ष मुन्ना लाल भोजक, राजकुमार भोजक, अखिल पटारिया, जीत जांगड़े, संजय मनोमा बघेल, जय घनघोरिया, मुन्नू पंडा, जतिन सप्रे, विपिन किरार आदि शामिल रहे।

गुरुकुंज परिसर गढ़ा में हुआ शिवार्चन

जबलपुर यशभारत। शिवरात्रि पर धार्मिक अनुष्ठानों की श्रंखला में गुरुकुंज परिसर गढ़ा रोड में भगवान शिव का रुद्राभिषेक विधि विधान से किया गया एवं इसके साथ ही संगीतमय

सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर में निवासरत सभी मात्र शक्तियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। जिसमें विशेष रूप से आरपी द्विवेदी ,सतिन शर्मा ,रितुल शर्मा ,प्रभात पटवा ,अखिलेश श्रीवास ,बबलू राय आदि का योगदान रहा।

सिहोरा रेलवे स्टेशन में फैला गंदगी का साम्राज्य

***जबलपुर यश भारत। जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले सिहोरा रेलवे स्टेशन पर इन दिनों गंदगी का साम्राज्य है, जहां देखो वहीं पर कचरे के ढेर और रेल यात्रियों द्वारा फेंकी गई डिस्पोजल की पत्तल जहां तक बिखरी पड़ी हैं। जहां पर साफ- सफाई करने वाला कोई नहीं। इस संबंध में रेलवे सूत्रों ने बताया कि विगत कुछ दिनों से इस स्टेशन में सफाई कर्मी नदारद है।**

जगह-जगह लगे कचरे के ढेर बिखरी पड़ी डिस्पोजल पतले

जानकारों की मानें तो जो सफाई कर्मी यहां पर रेलवे द्वारा लगाए गए थे उनका भुगतान न होने के कारण उन्होंने काम पर आना बंद कर दिया है । परिणाम है कि पूरे स्टेशन परिसर में गंदगी फैली हुई है । उल्लेखनीय है कि रेलवे की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा चलाकर स्टेशनों को गंदगी मुक्त बनाया गया, वहीं दूसरी ओर जबलपुर रेल मंडल के सिहोरा रेलवे स्टेशन स्टेशन पर कई दिनों से सफाई कार्य बंद होने से हर तरफ गंदगी फैली हैं।

ऐसे में स्वच्छता अभियान को झटका लग रहा है। जानकारों की माने तो स्थानीय स्टेशन की सफाई की काफी दिनों से ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है हालात है कि जहां देखो वहीं कचरे का ढेर पानी का बहाव एवं डिस्पोजल फैले हुए पड़े है ऐसे में प्लेटफार्म, आरक्षण हाल, सरकूलेटिग एरिया में गंदगी पसरी हुई है। सूत्रों की माने तो ऐसा नहीं कि संबंधितो को इस बारे में नहीं मालूम है, लेकिन सब कुछ जानने के बाद भी वह भी मौन साधे हुए हैं। यह हाल तब है जब यात्रियों की संख्या भी स्टेशनों पर बढ़ रही है। ऐसे समय में भी जब सफाई कार्य ठीक ढंग से नहीं होगा, तब कब होगा। कोरोना संक्रमण में स्वच्छता अभियान को लेकर रेलवे द्वारा स्टेशन के प्लेटफार्म सहित चारो ओर प्रतिदिन सफाई कार्य कराने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन इस स्टेशन पर सफाई नहीं होना अधिकारियों की उदासीनता को साफ झलका रहा है। यात्री भी प्लेटफार्म पर गंदगी होने की शिकायत स्टेशनों पर कर रहे हैं लेकिन स्टेशन के अधिकारी भी क्या करें वह यात्रियों की शिकायत को सुन चुप्पी साध ले रहे हैं।

श्रमिक एक्सप्रेस के यात्रियों द्वारा फैलाई गई गंदगी

सिहोरा रेलवे स्टेशन मैं फैली गंदगी के संबंध में सूत्रों ने बताया कि इस स्टेशन से गत दिवस श्रमिक एक्सप्रेस गुजरी थी जिसके यात्रियों द्वारा डिस्पोजल की पत्तलो को इस स्टेशन में फेंका गया जो जहां की तहां बिखरी हुई पड़ी है एक और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी जहां स्टेशनों को स्वच्छ बनाने में अपनी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे वहीं दूसरी ओर सिहोरा रेलवे स्टेशन के जवाबदेहो की उदासीनता के कारण स्टेशन में गंदगी का साम्राज्य मचा हुआ है।

निगमीकरण से क्या ट्रेड यूनियन अधिकार खत्म हो गए?

जबलपुर यशभारत। गत दिवस मजदूर यूनियन की ओर से पुरानी पेंशन की बहाली के लिए कानूनी जानकारी के लिए आहूत सभा के लिए प्रबंधन ने बिना कारण बताए अनुमति नहीं दी।लेकिन मजदूर यूनियन ने इसे प्रबंधन का ट्रेड यूनियन पर हमला करार देते हुए फैक्ट्री गेट से सौ मीटर दूर गेट मीटिंग करते हुए चेतावनी दी कि प्रबंधन कर्मचारियों के मौलिक अधिकार को नहीं छीन सकता है।

व्हीएफजे में पुरानी पेंशन बहाली के लिए सभा को नहीं दी अनुमति

इस मौके पर यूनियन के महामंत्री नितिन चाकर ने कहा कि प्रबंधन कारण बताए।क्या वर्तमान में असामान्य स्थिति है।जिला प्रशासन नेसभा के लिए न तो144धारा लगाई है और न ही उत्पादन का हम नुकसान कर रहे हैं।बल्कि यह सभा छुट्टी होने के बाद की जा रही है।जिसमें कर्मचारी अपने घर जाने का समय दे रहा है।श्री चाकर ने कहा कि पुरानी पेंशन स्थानीय नहीं अपितु राष्ट्रीय मुद्दा है।जिसकी जानकारी कर्मचारियों को देना उनका दायित्व है।

इस संबंध में जब संयुक्त महाप्रबंधक एम के मौर्या से यशभारत ने उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया।सभा में बताया गया कि नई पेंशन योजना के तहत आने वाले कर्मचारियों को मानित प्रतिनियुक्ति पर नहीं रखा जा सकता है।यह सरकार की कानूनी तकनीकी त्रुटि है।क्योंकि पुराने पेंशन अधिनियम1972मे यह प्रावधान है।एन पी एस मे नहीं।सरकार या तो निगमीकरण वापिस ले या फिर कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का विकल्प दे।यूनियन के धनंजय चंद्राते नवीन सिंह मनोज मीना सुशील कुमार आदि ने कहा कि सरकार और प्रबंधन अपनी मनमानी न करे अपितु विधि सम्मत कार्य करे।सभा में सभी यूनियनों को आव्हान किया कि वे इस मुद्दे पर एक मंच पर आयें।

नये महाप्रबंधक आये

व्हीएफजे मे नव नियुक्त महाप्रबंधक ए के बापट ने एक दिन पूर्व ही आज बुधवार को पदग्रहण कर लिया है।वे3मार्च को पद भार ग्रहण करने वाले थे।उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों से परिचय बैठक की।इसके बाद अधिकारियों की बैठक लीऔर इसके बाद उन्होंने उत्पादन की समीक्षा बैठक में जानकारी ली।

राघवेन्द्र पटेल बने राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख

जबलपुर। भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी में महाकौशल प्रांत से प्रदेश प्रचार प्रमुख का दायित्व संभाल रहे राघवेन्द्र सिंह पटेल को अब सम्पूर्ण देश के प्रचार प्रमुख का दायित्व दिया गया। देश में हुये किसान आंदोलन व वर्तमान में सुर्खियों में चल रहे कृषि विषयों के समय पर यह बड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है। राघवेन्द्र सिंह पटेल को प्रांत संगठन मंत्री भरत पटेल प्रांत अध्यक्ष गजराज सिंह, प्रांत महामंत्री प्रहलाद पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष ओमनारायण पचौरी, जिलाध्यक्ष मोहन तिवारी, सुनील पटेल, धनंजय पटेल, रामकृष्ण सोनी, सुरेश पटेल, रीतेश पचौरी, अटल पटेल, भानू पटेल, नीरज पटेल, धीरज पटेल, संदीप शुक्ला, मुकुल पचौरी सहित लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन पांच मार्च से

जबलपुर। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पांच मार्च से शुरू हो जाएगा। 28 फरवरी तक हो चुकी परीक्षाओं की कापियां जांची जाएंगी। पहले चरण में करीब 60 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। इसके बाद मार्च में होने वाले पेपरों की कापियां 16 मार्च से जांची जाएंगी। माशिमं द्वारा इस संदर्भ में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मूल्यांकन जिला स्तर पर किया जाएगा।मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को मंडल ने सबसे खराब अंक लाने और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। ऐसे विद्यार्थी जिन्हें एक नंबर भी न मिला हो या जिनके नंबर 90 फीसद से अधिक हों, उनकी कापियां दोबारा जांची जाएंगी। इनके अलावा एक या दो अंक से किसी विषय में विशेष योग्यता या प्रथम श्रेणी की पात्रता से वंचित होने वाले परीक्षार्थियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें हर पेज पर मिले अंकों को जोड़ने में भी विशेष सावधानी रखी जाएगी। ऐसी सभी उत्तरपुस्तिकाओं को दोबारा चेक कर अंकों को ध्यान से जो ?ने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि इस साल दसवीं व बारहवीं बोर्ड परीक्षा में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हैं। पूरे विद्यार्थियों की एक करोड़ 30 लाख कापियां को जांची जाएंगी।मूल्यांकन में 30 हजार शिक्षक शामिल होंगे। मूल्यांकन केंद्र के अंदर एक बार प्रवेश करने के बाद शिक्षक को बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। इसके अलावा उत्तरपुस्तिकाओं की जांच आदर्श उत्तर के अनुसार होगी। विद्यार्थी को हर स्टेप के नंबर देने होंगे। इसमें 12वीं की कापी जांचने का काम प्राथमिकता से किया जाएगा। मूल्यांकन के दौरान केंद्रों पर धारा 144 लागू रहेगी। दसवीं की प्रति कापी जांचने पर 12 रुपये व बारहवीं के लिए 13 रुपये मिलेंगे। कापी जांच करने की राशि के अलावा मूल्यांकनकर्ताओं को प्रतिदिन आने-जाने का भत्ता दिया जाएगा। मूल्यांकन कार्य प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा। एक शिक्षक को प्रतिदिन न्यूनतम 30 व अधिकतम 45 उत्तरपुस्तिकाएं जांचने के लिए दी जाएंगी।

पूर्व केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया के जन्मोत्सव पर कांग्रेस का मानवसेवा व्रत

जबलपुर। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व केबिनेट मंत्री के जन्मोत्सव पर कांग्रेस का मानव सेवा व्रत एवं जन कल्याण के हितार्थ नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन क्रमश: सुब्बा शाह मैदान, धनी की कुटिया, पुत्री शाला बेलबाग, भानतलैया पुत्री शाला, बीमा अस्पताल कांचघर एवं सिधी धर्मशाला गोपाल होटल में सम्पन्न हुआ। शिविर में चिन्हित मरीजों को दवाओं, चश्मा, आयुष्मान कार्ड का नि:शुल्क वितरण किया गया एवं जांचे भी नि:शुल्क की गई। साथ ही छात्र-छात्राओं को ड्रायविंग लायसेंस वितरित किये। मरीजों के साथ आये परिचारकों हेतु नि:शुल्क भोजन एवं स्वच्छ जल की व्यवस्था श्री घनघोरिया ने की। कांग्रेस नेता संजू तिवारी ने बताया कि इस शिविर में जो मरीज शेष रह गये हैं, उनका परीक्षण एवं इलाज नि:शुल्क कराया जावेगा । इस अवसर पर कांग्रेस नेता संजू तिवारी, आकाश पाठक, सोनू तिवारी, विकास विश्वकर्मा, आकाश तिवारी, अनिल यादव, विशाल यादव, पुष्कल शर्मा, सोनू लाला, रानू दुबे, अर्पित जायसवाल, आयुष जायसवाल, निक्कू सरदार, विजय सोनी, कीर्ति सिंह ठाकुर, शिवा ठाकुर आदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर को सफल बनाने हेतु कांग्रेस नेता संजू तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

जीसीएफ श्रमिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

लंबे अरसे से काम की कमी और कर्मचारी हितो से वंचित

जबलपुर यशभारत। जीसीएफ श्रमिक संघ (मिले हाथ) ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं कर्मचारियों के हितों की अनदेखी और काम की कमी को दूर करने के लिए जीसीएफ प्रबंधन को ज्ञापन देकर मांग की है कि तत्काल समस्याओं का निराकरण करने के साथ निर्माणी मे काम की कमी दूर की जाए।यूनियन के अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल और महामंत्री राकेश रजक ने बताया कि निर्माणी में लंबे अरसे से कच्चे माल की आपूर्ति नहीं हो रही है।प्रबंधन बाहरी स्त्रोंतों ठेकेदार और ठेका कर्मियों से काम करवा रहा है।कर्मचारियों का ओ टी और पीस वर्क का नुकसान किया जा रहा है। कर्मचारियों के जीपीएफ मेडिकल रिएम्बर्समेंट छुट्टियों का पैसा नहीं दिया जा रहा है।औद्योगिक केंटीन का पूर्व की भांति संचालन किया जाए और सीएसडी केंटीन मे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच भेदभाव समाप्त किया जाए।आगाह किया कि कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन तय है।

व्यावसायिक कनेक्शन में बिजली भार की हो रही जांच

जबलपुर, । सालों से कनेक्शन लेकर बिजली का भार नहीं बढ़वाने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली कंपनी सख्त हो गई है। लाइन और ट्रांसफार्मर पर भार बढ़ रहा है, लेकिन उपभोक्ता की तरफ से बिजली भार बढ़ाने का कोई आवेदन नहीं मिल रहा है ऐसे में बिजली बार-बार बंद हो रही है।वहीं बिजली कंपनी को राजस्व का नुकसान हो रहा है। ऐसे में कंपनी ने एक-.एक व्यावसायिक कनेक्शन की जांच शुरू कर दी है। जहां भी बिजली भार अधिक मिल रहा है उन उपभोक्ताओं के खिलाफ प्रकरण बनाए जा रहे हैं। हिमांशु अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता नगर संभाग पश्चिम बिजली का भार उपभोक्ताओं को नियमित जांच करवाना चाहिए। कई व्यावसायिक उपभोक्ता ने तय भार से कई गुना ज्यादा भार का उपयोग किया जा रहा है इससे नुकसान हो रहा है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।नगर संभाग पश्चिम में अकेले 100 से ज्यादा उपभोक्ताओं के भार अधिक मिले हैं। इनमें कई ने दो-तीन किलोवाट का भार स्वीकृत कराया था। जब बिजली अधिकारियों ने भार जांचा तो उनके दुकान पर 10-15 किलोवाट का भार मिला। जिसके आधार पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया गया है। इधर, प्रमुख सचिव ऊर्जा की तरफ से भी बिजली का भार नियमित जांचने के निर्देश मिले हुए हैं।उपभोक्ता जब भी बिजली कनेक्शन लेता है उसे भार का आंकलन करना होता है उसी के आधार पर सिंगल फेज, थ्री फेज कनेक्शन या इससे अधिक भार क्षमता का कनेक्शन आवंटित होता है। भार पहले से पता होने से उस क्षेत्र के वितरण ट्रांसफार्मर में उस हिसाब से भार दिया जाता है। अब उपभोक्ता ने कम भार लेकर ज्यादा भार का उपयोग किया तो वितरण ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों पर अतिरिक्त भार आता है जिस वजह से भार ज्यादा बढ़ने पर ट्रांसफार्मर जलना और फाल्ट आने जैसी समस्या आती है। इससे जहां दूसरे उपभोक्ता को बिजली बंद होने की समस्या का सामना करना पड़ता है वहीं कंपनी को राजस्व हानि उठानी पड़ती है। बिजली कंपनी के जुर्माने से बचने के लिए उपभोक्ता समय अंतराल में भार चेक करवाएं। दरअस व्यावसायिक उपभोक्ता कम भार दिखाकर बिल में बचत करना चाहते हैं लेकिन लगातार

भार बढ़वा ले नहीं लगेगा जुर्माना

जबलपुर के रानी दुर्गावती विवि में अंतर जिला युवा उत्सव की शुरुआज

जबलपुर, । मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अंतर जिला युवा उत्सव का आयोजन दो और तीन मार्च को किया जा रहा है। दो मार्च को सुबह 11:30 बजे से वाद-विवाद व प्रश्नमंच और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताएं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग शुरू हुई। इसके साथ ही अभिनय प्रतियोगिताओं में स्किट, माइम और मिमिक्री प्रतियोगिताएं एमबीए विभाग में हो रही हैं। इसके साथ रूपांकन प्रतियोगिताओं में पोस्टर, कोलाज, स्पाट पेंटिंग, कार्टूनिंग, रंगोली, क्ले माडलिंग शामिल हैं। ये प्रतियोगिताएं भी एमबीए विभाग की लाइब्रेरी में हो रही हैं। इन प्रतियोगिताओं के साथ गायन प्रतियोगिता में एकल, सुगम और समूह गायन की प्रतियोगिताए पंडित कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में शुरू हुई ।

फ्रंटलाइन वर्कर एवं हेल्थ केयर वर्कर को कोरोना वैक्सीन की प्रकाशन डोज लगाने में जबलपुर अव्वल

जबलपुर। कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के तहत फ्रंटलाइन वर्कर एवं हेल्थ केयर वर्कर को कोरोना वैक्सीन की प्रिकाशन डोज लगाने के मामले में जबलपुर जिले ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जबलपुर जिले में वैक्सीनेशन अभियान के तहत एक मार्च तक 100.2 फीसदी फ्रंट लाइन एवं हेल्थ केयर वर्कर को वैक्सीन की प्रिकाशन डोज लगाई जा चुकी है। जबलपुर जिले के बाद फ्रंटलाइन एवं हेल्थ केयर वर्कर को प्रिकाशन डोज लगाने के मामले में नरसिंहपुर एवं बुरहानपुर जिला क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। नरसिंहपुर जिले में 99.8 प्रतिशत एवं बुरहानपुर जिले 98.4 प्रतिशत फ्रंटलाइन एवं हेल्थ केयर वर्कर को प्रिकाशन डोज लगाई गई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एसएस दाहिया के अनुसार जबलपुर जिले में 31 हजार 216 फ्रंटलाइन एवं हेल्थ वर्कर को कोरोना वैक्सीन की प्रिकाशन डोज लगाने का लक्ष्य रखा गया था। जबकि इसके विरूद्ध अभी तक 31 हजार 574 फ्रंटलाइन एवं हेल्थकेयर वर्कर को प्रिकाशन डोज लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जिले में 13 हजार 507 फ्रंट लाइन वर्कर्स के लक्ष्य के विरूद्ध 15 हजार 096 तथा 18 हजार 009 हेल्थ केयर वर्कर के लक्ष्य के विरूद्ध 16 हजार 478 को प्रिकाशन डोज दी गई है।

स्व.डा.नानाजी की स्मृति में वृक्षारोपण

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया एवं डॉ स्वर्गीय नानाजी साहब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में वेस्टलैंड स्टेट परिसर में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया ।संस्था के स्थापक स्वर्गीय नाना जी साहब धर्माधिकारी के 100 वें जन्मदिवस के अवसर पर पूरे देश भर में आज वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में निर्माणी के कार्यवाहक महाप्रबंधक बी.बी.सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे ।उन्होंने संस्था के द्वारा वृक्षारोपण एवं 3 वर्ष तक लगातार वृक्ष संवर्धन के कार्य के लिए संस्था के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया ।इस दौरान उप महाप्रबंधक दिनेश कुमार एवं यार्ड अनुभाग प्रमुख शारदा प्रसाद उपस्थित थे ।

रजक समाज के 5 जोड़ों का नि:शुल्क आदर्श विवाह संपन्न

जबलपुर। सम्पूर्ण रजक समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन और नि:शुल्क आदर्श विवाह समन्वय सेवा केन्द्र छोटी लाइन फाटक में सम्पन्न हुआ जिसमें रजक समाज के 5 जोड़ों का नि:शुल्क आदर्श विवाह संपन्न हुआ । रजक समाज के लगभग 250 युवक युवतियों का परिचय किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता केशलाल रजक भगत ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगत बहादुर सिंह अन्नू , विशिष्ठ अतिथि नन्हे लाल रजक थे । संयोजक राजकुमार रजक ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में कम खर्च करके भी विवाह सम्पन्न हो सकते हैं । मुख्य अतिथि जगत बहादुर ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एक नया सन्देश जाता है कि जिस तरह से आज हम अनाप शनाप खर्च करके शादी विवाह करते हैं तो बिना कुछ खर्च के भी सामुहिक विवाह पर विवाह कर सकते हैं और विवाह योग्य युवक युवतियों को वर वधु मिलान की जानकारी मिल जाती है ,रिश्ते जुड़ जाते है । कार्यक्रम में इटारसी नरसिंहपुर कटगी मठामर

सीहोरा गोटेगांव पाटन शहपुरा मंझोली दमोह कटनीआदि से भी रजक समाज के बन्धु उपस्थित हुए । कार्यक्रम को सफल बनाने में भगवत प्रसाद रजक कल्लू बाबा लेखराज रजक ,मुन्ना रजक, विवेक रजक ,मनोहर रजक शेरु रजक ,सुरेंद्र रजक ,राजेन्द्र रजक, विनोद रजक आनंद रजक, सुशील रजक ,संजय रजक ,संजीव रजक ,राजू रजक ,रमेश मास्टर ,जगन रजक जयसिंह रजक ,भरत रजक, संदीप बाथरे शीतल रजक इन्द्र कुमार रजक ,संजय मालवीय हरीश बाबू काजल रजक गीता रजक रजक रंजीत रजक आदि का योगदान था।

टैक्स बार एसोसिएशन , जबलपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

टैक्स विधि के क्षेत्र में टैक्स बार एसोसिशन जबलपुर का योगदान अमूल्य- न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी

जबलपुर । टैक्स बार एसोसिएशन , जबलपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण का गरिमामय आयोजन कृष्णा होटल जबलपुर में संपन्न हुआ. इस समारोह के मुख्य अतिथि म. प्र. उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि श्री मनमोहन दास सदस्य (न्यायिक) आयकर अपीलीय अधिकरण रहे . समारोह में शपथ अधिकारी के रूप में एसोसिएशन के संरक्षक अधिवक्ता गणेश दत्त पड़रहा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष अधिवक्ता पूनम चंद जैन व नव निर्वाचित महा सचिव अधिवक्ता एस. एस. ठाकुर सहित अन्य नव निर्वाचित पदाधिकारियों व नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों को पद की गरिमा व अनुशासन की शपथ दिलाई. इस अवसर पर टैक्स बार के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छों से अतिथिगण का भावपूर्ण अभिनन्दन किया . अधिवक्ता एम. एम. नेमा ने माननीय न्यायमूर्ति श्री संजय द्विवेदी का जीवन-परिचय दिया. । समारोह में न्यायमूर्ति श्री संजय द्विवेदी ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उदगार व्यक्त किये कि टैक्स बार एसोसिएशन जबलपुर का नाम टैक्स विधि के क्षेत्र में अपने विशिष्ट योगदान के लिए सम्पूर्ण देश में प्रख्यात है. एसोसिएशन ने टैक्स विधि के क्षेत्र में अनेक मूर्धन्य विधिवेत्ता दिए हैं. मनमोहन दास ने भी टैक्स विधि के विषय में अपने अनुभवों को साझा किया. गणेश दत्त पड़रहा ने डिजिटल युग के दौर में टैक्स विधि के क्षेत्र में विधि व्यवसाय की चुनौतियों के विषय में उद्बोधन देते हुए कहा कि वर्चुअल युग में टैक्स विधि की मुखविहीन प्रक्रियाएं होने के कारण विधि व्यवसाय की कला संकट में है तथा अभिवचनों की महत्ता बढ़गई है . बदले हुए परिवेश में टैक्स बार एसोसिएशन को अपने सदस्यों को अद्यतन करने की नितांत आवश्यकता है . कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथिगण को प्रतीक चिह्न देकर उनका अभिनन्दन किया गया. मंच संचालन सी ए ी मनोज जैन व अधिवक्ता शिशिर नेमा ने किया .आभार प्रदर्शन टैक्स बार एसोसिशन के नव निर्वाचित महा सचिव अधिवक्ता एस. एस. ठाकुर ने किया.कार्यक्रम में राज्य अधिवक्ता परिषद से सचिव मोइन खान, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से अध्यक्ष रमन पटेल सचिव मनीष तिवारी , डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन से अध्यक्ष आर के सैनी , एडवोकेट आशीष त्रिवेदी असीम त्रिवेदी महाकोशल चैम्बर ऑफ कामर्स से अध्यक्ष रवि गुप्ता , जबलपुर चैम्बर ऑफ कामर्स से प्रेम दुबे आयकर , सेंट्रल व स्टेट जी एस टी विभाग के अनेक अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित थे. इस अवसर पर एम. एम. नेमा एड. , निदेशकपदेन व्ही .के दवे एड. , राजीव नेमा एड. ,मधु अग्रवाल सीए नव निर्वाचित उपाध्यक्ष द्वय अधिवक्त दिनेश चन्द्र सिंघल एड. , राधेश्याम साहू एड. , सचिवद्वय विशुद्ध जैन एड. , अशोक बालानी एड. , निर्वाचित निदेशकगण शिव प्रकाश श्रीवास्तव एड. , अनंत मिश्रा एड. , देवांग बावीशी एड. , प्रवीण जोशी एड. , सतीश नेमा एड. , आनंद कुमार नेमा एड. , दीपक पोपटएड., संजय नेमा एड. , नीतेश नेमा एड. , अब्दुल फरीद खान एड. , निदेशक मनोनीत आशीष नेमा एड. , सिद्धार्थ शुक्ला एड. , श्रीराम नानवानी एड. , सचिन मिश्रा एड., पवन नेमा एड. परेश वर्मा एड., , कोषाध्यक्ष राजेश जैन राजा एड. , मनीष मिश्रा एड. की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शीघ्र प्रारंभ होगा शहर के अन्य तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्य : निगमायुक्त

जबलपुर। शहर के तालाबों के संरक्षण के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा विशेष पहल करते हुए तालाबों का सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन का कार्य कराया जा रहा है।

गढ़ा के इमरती तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए आज अनेक अतिक्रमणों को हटाया गया। नगर निगम मुख्यालय एवं संभाग क्रमांक 1 एवं 2 की विशेष टीमों के द्वारा तालाब के आसपास जमे अवैध कब्जों एवं अतिक्रमणों को सख्ती के साथ हटाया गया। इस दौरान नागरिकों को समझाइश दी गई कि तालाबों के संरक्षण के लिए अतिक्रमणों को हटाया जाना आवश्यक है। कार्यवाही के दौरान नागरिकों ने भी सहयोग देते हुए नगर निगम प्रशासन की कार्यवाही की प्रशंसा की। निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर अधिकारियों की टीम ने अवकाश के दिन भी आज इमरती तालाब के आसपास पहुंच कर अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही की। निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ ने बताया कि तालाबों के संरक्षण के लिए नगर निगम द्वारा विशेष पहल की जा रही है। उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही

इमरती तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए हटाए गए अनेक अतिक्रमण

शहर के अन्य तालाबों का सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन का कार्य प्रारंभ होगा। उल्लेखनीय है कि निगम प्रशासक श्री बी चंद्रशेखर, कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी एवं निगमायुक्त श्री आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में शहर के तालाबों का उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। निगमायुक्त ने बताया कि इमरती तालाब शहर का ऐतिहासिक एवं प्राचीन तालाब है यहां आस-पास वर्षों से अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे जमे है जिन्हें हटाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई गई एवं निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। निगमायुक्त श्री आशीष वशिष्ठ ने बताया कि आने वाले दिनों में तालाब को आकर्षक एवं मनमोहक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। आज की कार्यवाही में नोडल अधिकारी अंकिता जैन, संभागीय अधिकारी कृष्णकांत रावत, दिनेश प्रताप सिंह, भवन विभाग के उपयंत्री, स्वास्थ्य निरीक्षक, हर्षा पटेल, प्रीतेश मसडोकर, अशीष पाटकर, समयपाल एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

गरीब नवाज कमेटी ने किया सुपुर्देखाक

जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन के पास एक टपरी में रहने वाले 38 वर्षीय आजाद अली का शास्त्री ब्रिज के नीचे ट्रैन से कटा हुआ शव मिला। उसके भाई सरफराज अली ने गरीब नवाज कमेटी को दी गई उसने पुलिस की जानकारी दी। दोनो भाई मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे।सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मंडी कब्रिस्तान में गरीब नवाज कमेटी द्वारा सुपुर्देखाक किया गया। कमेटी के अध्यक्ष इनायत अली ने बताया कि इस कार्य में मो नियाज अहमद,बाबू खान,रियाज अली,माजिद दुध वाला, आशीष विश्वकर्मा ने सहयोग किया।

राशन वितरण में अनियमितता बरतने पर उचित मूल्य दुकान के विक्रेता के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

जबलपुर । खाद्य विभाग ने राशन वितरण में अनियमितता बरतने पर अशफाक उल्ला खां वार्ड स्थित उचित मूल्य दुकान के विक्रेता के विरूद्ध गोहलपुर पुलिस थाना में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 एवं 7 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 406 के तहत एफआईआर दर्ज कराई है।जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई के अनुसार द मार्डन शिक्षित बेरोजगार सहकारी उपभोक्ता भंडार द्वारा संचालित इस उचित मूल्य दुकान क्रमांक 3316250 की 20 जनवरी को कनिष्ठ आपूर्ति संजीव अग्रवाल एवं भावना तिवारी द्वारा जांच की गई थी। जांच में पीओएस मशीन से स्टॉक के सत्यापन के दौरान 127.75 क्विंटल गेंहू, 88.81 क्विंटल चांवल एवं 30 किलो शक्कर एवं 1.55 क्विंटल नमक कम पाया गया था। जिला आपूर्ति नियंत्रक जांच के दौरान उचित मूल्य दुकान का विक्रेता मोहम्मद जावेद अख्तर भी मौजूद था।

जबलपुर जिले में औषधीय अश्वगंधा फसल का केंद्र बन रहा भरतरी ग्राम

फसल देखने रोज पहुंच रहे किसान,कृषि कॉलेज का ट्रेनी स्टूडेंट दल भी निरीक्षण को पहुंचा

बेलखाडू। समीपी ग्राम भरतरी में लगभग दस एकड़ खेतों में जिले की जलवायु के विपरीत व विषम परिस्थितियों के बीच ग्राम के कृषक दुर्गेश पटेल ने औषधीय अश्वगंधा अपने खेतों में लगाया और इसे चैलेंजिंग खेती के रूप में लेते हुए कड़ी मेहनत,देखभाल की ,अब खेतों में यह फसल गुणवत्ता रूपी लहलहा रही है ।जिले में अनोखी इस औषधीय खेती को देखने पाटन सहित अन्य जगहों के किसान प्रतिदिन पहुंच कर किसान दुर्गेश से खेती करने के गुण ,कटाई,विक्रय तथा उससे होने वाले लाभ की जानकारी ले रहे है ।इससे शासन ,प्रशासन के सहयोग के उम्मीद के बीच अश्वगंधा खेती की अपार संभावनाएं बढ़ चली है । गत दिवस जबलपुर जिले के कृषि कॉलेज के ट्रेनी व्यवसायियों के एक बड़े दल ने ग्राम भरतरी पहुंच कर खेतो में इस फसल का मुआयना कर विस्तृत जानकारी ली पांच माह की इस फसल पर प्रति एकड़ कम से कम सवा लाख रुपए लाभ किसान को देने वाला यह अश्वगंधा उगकर तैयार है ।यह दल जानकारी पाकर प्रभावित हुआ ।साथ ही प्रशासन के प्रति सहयोग की भावना से किसान ,व्यापारी बेहद आशान्वित भी हैं । क्योंकि अश्वगंधा ऐसी औषधीय फसल है जिसमे उसकी जड़,पत्तियां,और उसका भूसा (पंचांग) सभी कुछ बिकता है ।परंपरागत खेती के अलावा इस इस औषधीय खेती की जिले में गुणवत्ता पूर्ण खेती की भी अपार संभावनाएं बढ़ गई है ।

आयुर्वेद में उपयोग

अश्वगंधा की जड़ जहां हेल्थ बढ़ाने और पत्तियां हेल्थ कम करने में उपयोग होता है ।साथ ही सम्पूर्ण पंचांग से इम्यूनिटी बूस्टर आयुर्वेदिक कंपनिया औषधि तैयार करती हैं ।

पचास हजार लागत चार माह की फसल

अश्वगंधा की खेती चार से पांच माह में पचास हजार की लागत से तैयार होकर विक्रय पश्चात लगभग सवा लाख का मुनाफा किसान को दे जाती है ।

105 आयुर्वेद चिकित्सकों का सम्मान

जबलपुर। राजस्थान औषधालय (आरएपीएल ग्रुप) मुम्बई द्वारा पूरे भारत भर में चलाये जा रहे डॉक्टर्स सम्मान समारोह के तहत राजस्थान औषधालय मुम्बई का रविवार को जिला मुख्यालय सिविक सेंटर के निजी होटल में देर रात डॉक्टर्स सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ, जिसमे जबलपुर जिले के 105 आयुर्वेदिक चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

डॉक्टर्स सम्मान समारोह के बतौर मुख्य अतिथि जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राकेश पहाड़िया ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने अपनी जान की बाजी लगाकर लाखों कोविड -19 के मरीजों की जिंदगी बचाई, कोरोना योद्धा आयुर्वेद के चिकित्सक हैं, अगर भारत में आयुर्वेदिक औषधियों तथा प्रणाली का प्रयोग नहीं किया जाता तो कोरोना को नियंत्रित करना मुश्किल साबित होता। इस दौरान डॉक्टर्स सम्मान समारोह में डॉ. रमेश गुप्ता, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. दुर्गेश गुप्ता, डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. राकेश सारस्वत, डॉ. तलत फिरदोस, डॉ. अमित जौहरी, डॉ. मनोरमा गुप्ता सहित अनेक डॉक्टर्स ने अपने सम्बोधन में कहा कि आयुर्वेदिक औषधियां कोरोना काल के दौरान कारगर साबित हो रही थी, उस समय आयुर्वेद के डॉक्टर्स के उपर भी बड़ी जिम्मेवारियां आई, जिसका जिले के चिकित्सकों ने सामना किया। उसी मेहनत को समझते हुए राजस्थान औषधालय ने सम्मानित कर आयुर्वेदिक डॉक्टर्स को नई दिशा देने का काम किया है। डॉक्टर्स सम्मान समारोह की शुरूआत धन्वतंरि पूजा से की गई, जिसमें अतिथियों ने धन्वतंरि की प्रतिमा पर दीप प्रजवल्लित किया। डॉक्टर्स सम्मान समारोह में अतिथियों एवं जिले के सभी डॉक्टर्स को राजस्थान औषधालय मुम्बई (आरएपीएल ग्रुप) परिवार की ओर से माला, शॉल, साफा प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में आरएपीएल ग्रुप के चैयरमेन रहे डॉ. एस. डी. चोपदार को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान डॉक्टर्स सम्मान समारोह में डॉ. रमाकान्त मुरारी, डॉ. आर.के.तिवारी, डॉ. प्रभाष श्रीवास्तव, डॉ. गंगाधर द्विवेदी, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. जी.एल. टिटोनी, डॉ. सुजाता, डॉ. सरफराज आलम, डॉ. साईमा कार्यक्रम प्रभारी आसिफ अख्तर, मिराज आलम, निलेश गहलोत, अंकित कुमार, गुलरेज खान कॉर्डिनेटर कविता जाधव सहित जिले भर के आयुर्वेदिक चिकित्सक उपस्थित थे।

जबलपुर मंडल में 35 रेल कर्मचारी सेवानिवृत्त

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर मंडल पर माह फरवरी में 35 रेल कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। मंडल रेल प्रबंधक संजय विश्वास के मार्गदर्शन में अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार इस माह सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल प्रदान किये गये। इस माह सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भुगतान एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से किया गया।इस माह सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में से महेन्द्र प्रताप, कांटेवाला, यातायात, टिकरिया ने 40 वर्ष 10 माह 14 दिन, श्रीमति चुन्नी बाई, कार्यालय सहायक, वाणिज्य, नरसिंहपुर ने 39 वर्ष 10 माह 09 दिन एवं राम वृक्ष यादव, स्टेशन अधीक्षक, गोसलपुर ने 38 वर्ष 09 माह 08 दिन की रेल सेवा पूर्ण की है।

इनका रहा सराहनीय सहयोग

इस अवसर पर वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल श्रीवास्तव , वरि. मंडल वित्त प्रबंधक अभिराम खरे, मंडल कार्मिक अधिकारी धर्मेन्द वीके, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) अरविंद पाण्डेय, सहायक कार्मिक अधिकारी (आई आर) रोहित नेमा , सहायक कार्मिक अधिकारी (यातायात) राकेश कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी (यांत्रिक) डी के शुक्ल एवं सहा. मंडल वित्त प्रबंधक अवधेश तिवारी के अलावा कार्मिक एवं लेखा विभाग के कर्मचारी का सहयोग रहा।

इंटरलॉकिंग के कारण पमरे की 2 जोड़ी ट्रेन निरस्त

जबलपुर यश भारत। रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मण्डल के छुलहा-अनूपपुर रेलखण्ड पर तीसरी रेल लाइन जोड़ने के लिए अनूपपुर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य करने का निर्णय लिया गया है। जो दो जोड़ी ट्रेनों को निरस्त किया गया है। जिनकी विस्तृत जानकारी निम्न है। रानी कमलापति-संतरागाछी-रानी कमलापति सुपरफास्ट हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन , बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन गाड़ी संख्या 18247 बिलासपुर से रीवा एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रारंभिक स्टेशन से तक और वापसी गाड़ी संख्या 18248 रीवा से बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रारंभिक स्टेशन से 01.03.2022 से 09.03.2022 तक निरस्त रहेगी। यह गाड़ी पमरे के *रीवा स्टेशन से प्रारंभ/टर्मिनेट होकर सतना, मैहर, अमदरा एवं कटनी स्टेशनों से होकर गुजरती है।

अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने की महादेव भगवान शंकर की पूजा अर्चना

जबलपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कैंट क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी कुलदेवी और माता पिता का स्मरण कर कचनार सिटी भगवान महादेव के शरण में पहुंचे। श्री रोहाणी सपरिवार भगवान महादेव का पूजन अर्चन कर विश्व कल्याण की कामना की। विजयनगर के कचनार सिटी में स्थापित भगवान शंकर की विशाल प्रतिमा के समक्ष पूजन अर्चन के उपरांत विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं उनके परिवार जनों ने विधि विधान के साथ अनुष्ठान एवं अभिषेक किया।

न्यायालय तहसीलदार अधारताल, जबलपुर
राप्रक्र/2329/अ-6/2021-22
जबलपुर दिनांक 13.1.2022/

आम इश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रविकुमार उमरे पिता स्व. श्री दुर्गा प्रसाद उमरे, निवासी 660, सुदामा नगर वीर सांवरकर वार्ड गढ़ा, जबलपुर के द्वारा मौजा रानीपुर नंबं 401 पहनं 25/31 तहसील अधारताल व जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नंब 84/1 का भाग, नया खसरा नं 84/1/2 में से रकबा 1000 वर्गफिट भूमि वसीयतनामा दिनांक10.1.2014 के माध्यम से वसीयत की गई भूमि का वसीयत के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूमि वसीयतकर्ता कु जयंती ओन्डेला पुत्री स्व. श्री दुर्गा प्रसाद ओन्डेला निवासी रानीपुर मदनमहल जबलपुर मप्र के द्वारा वसीयत के पूर्व अपने जीवनकाल में उक्त भूमि जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक 2460 दिनांक 12.7.1989 के माध्यम से विक्रेता श्री मनोहरलाल मिश्रा पिता श्री गोविन्द प्रसाद मिश्रा, निवासी रानीपुर तहसील व जिला जबलपुर से क्रय किया गया तथा उक्त विक्रेता के द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक 5209, दिनांक 7.1.1989 के माध्यम से मूल विक्रेता श्री दशरथ प्रसाद उर्फ दसई वल्द चमरूलाल माली, निवासी रानीपुर तहसील व जिला जबलपुर से क्रय कियागया। वर्तमान में भूमि मूल विक्रेता दसई पिता चमरूलाल जाति पिव, पता अधारताल जबलपुर के नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 7.3.2022 तक कार्यालय तहसील अधारताल जबलपुर में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक : 21.2.2022
पेशी दिनांक : 07.3.2022
तहसीलदार अधारताल
जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार अधारताल, जबलपुर
राप्रक्र/2329/अ-6/2021-22
जबलपुर दिनांक 13.1.2022/

आम इश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण 1 नरेन्द्र कुमार तिवारी 2 श्री वीरेन्द्र कुमार तिवारी 3 श्री सुरेन्द्र कुमार तिवारी, 4 श्री योगेन्द्र कुमार तिवारी चारों के पिता स्व श्री हीरालाल वल्द चमलाल जी तिवारी सभी निवासी मदनमहल जबलपुर के द्वारा मौजा रानीपुर नं बं 401 पहनं 25/31 तहसील अधारताल व जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं 89/2 प्लॉट नं 1 रकबा 2600 वर्गफिट भूमि जरिये वसीयतनामा दिनांक 21.11.1991 के माध्यम से वसीयत की गई भूमि का वसीयत के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि वसीयतकर्ता हीरालाल पिता रामलाल तिवारी जाति तिवारी निवासी मदनमहल जबलपुर के नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 4.3.22 तक कार्यालय तहसील अधारताल जबलपुर में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक : 11.2.2022
पेशी दिनांक : 07.3.2022
तहसीलदार अधारताल
जबलपुर

अवकाश के दिन भी 29 श्वानों को पकड़कर डॉग हाउस पहुँचाया

जबलपुर। शहर के नागरिकों को आवारा श्वानों से राहत प्रदान करने नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार अवकाश के दिन भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 29 श्वानों को कठौंदा स्थित डॉग हाउस पहुँचाया गया। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि आवारा कुत्तो की बढ़ती हुई जनसंख्या और उनके काटने की लगातार बढती हुई शिकायतों को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम जबलपुर के द्वारा आवारा कुत्तो का बधियाकरण एवं एंटी रेबीज टीकाकरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके लिए जबलपुर स्थित पशु कल्याण संस्था माँ बगुलामुखी सेवा समिति से अनुबंध कर विशेष अभियान चलाकर शहर के विभिन्न स्थानो में प्रति दिन आवारा कुत्तो की धरपकड़ की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया की आज नेहरू नगर अपेक्स हॉस्पिटल, सैनिक सोसायटी, गुप्तेश्वर, साकेत नगर, ग्वारीघाट रोड, कचनार सिटी, तिलक मार्ग रोड, विजयनगर, अग्रसेन वार्ड, ग्रीन सिटी ,दीनदयाल, मरोताल रोड, बस स्टैंड तीन पत्ती चौक, रसल चौक, घमापुर चौक, हड्डी गोदाम मदार टेकरी, धनी की कुटिया अधारताल, अधारताल जयप्रकाश नगर, इनकम टैक्स ऑफिस, नागरथ चौक, नगर निगम परिसर, वर्कशॉप बस स्टैंड, आदि क्षेत्रों से प्राप्त शिकयतो के आधार पर माँ बगुला मुखी सेवा समिति के डॉग केचर्स कर्मचारियों द्वारा 29 कुत्तो को जबलपुर कठौंदा स्थित श्वान बंधियाकरण केंद्र में लाया लगाया एवं कुत्तो के हेल्थ की जांच कर 27 कुत्तों का बधिया करण ऑपरेशन प्रशिक्षित पशु चिकत्सक द्वारा किया गया।

अखिल भारतीय रेलवे वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता

वेटलिफ्टर नवीन ने स्वर्ण ,विष्णु ने कांस्य पदक जीता

जबलपुर यश भारत। रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में अखिल भारतीय रेलवे वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता 2021-22 आयोजित की गई। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलवे के वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 109 किलोग्राम की कैटेगिरी में पश्चिम मध्य रेल के नवीन (जूनियर लिपिक, कार्मिक सीएन्डडब्लू विभाग जबलपुर मण्डल) ने स्वर्ण पदक एवं बी.एस.डी. विष्णु वर्धान (जूनियर लिपिक, इलेक्ट्रिकल विभाग जबलपुर मण्डल) ने कांस्य पदक जीतकर पश्चिम मध्य रेलवे का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ,पमरे खेल कुद संघ के अध्यक्ष राकेश गुप्ता, महासचिव डॉ. आशुतोष गर्ग तथा कोषाध्यक्ष गुरमित चावला सहित सभी विभागाध्यक्षों और मण्डल रेल प्रबंधक जबलपुर संजय विश्वास ने बधाई दी है तथा आशा व्यक्त की है कि आने वाले दिनों में पश्चिम मध्य रेल से सम्बंधित अन्य खिलाड़ी भी इस उपलब्धि से प्रेरणा लेंगे और पमरे का नाम रोशन करेंगे।

संपादकीय

दीर्घकाल में पड़ेगी मार

रूस के पास 630 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यह उसके लिए बड़ा सहारा है। लेकिन यह भी तय है कि इसके जरिए रूस भले फौरी संकट टालने में कामयाब रहे, लेकिन निवेश और उत्पादकता बढ़ाने के मोर्चे पर यह सफल नहीं हो सकती। इसका असर कुल आर्थिक वृद्धि दर पर पड़ेगा। अब ये साफ है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने पूरी योजना बना कर यूक्रेन पर हमला करने का फैसला किया। इसलिए पश्चिमी विशेषज्ञों की भी यही राय बनी है कि रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों से तुरंत उस पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। हां, दीर्घकाल में उससे रूसी अर्थव्यवस्था जरूर गतिरुद्ध हो जाएगी। रूस को कई बैंकों अंतरराष्ट्रीय भुगतान के सिस्टम- सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) से भी निकालने का फैसला किया गया है। लेकिन इससे रूसी बैंकिंग सिस्टम तुरंत ठप नहीं होगा। रूस के सेंट्रल बैंक- बैंक ऑफ रशिया- ने घरेलू बैंकों को पर्याप्त मात्रा में नकदी उपलब्ध कराने की घोषणा की है। उसने कहा है कि बैंक जितनी नकदी के लिए अर्जी देंगे, उतनी उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी। उधर बैंक ऑफ रशिया ने देश में ब्याज दर में भारी वृद्धि कर दी है। अब रूस में ब्याज दर 20 फीसदी होगी। इसका मकसद रूसी नागरिकों को अपना धन बैंकों में जमा कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। बैंक ने यह भी एलान किया कि अब विदेशी मुद्रा में प्राप्त होने वाली अपनी आमदनी के 80 फीसदी हिस्से का विनिमय रूसी नागरिकों को करना होगा। यानी 80 फीसदी विदेशी मुद्रा जमा करा कर उन्हें उसके बदले रूबल लेना होगा। बैंक ऑफ रशिया ने कुछ वर्ष पहले स्विफ्ट जैसा अपना सिस्टम तैयार किया था। इसका नाम फाइनेंशियल मैसेजिंग ट्रांसफर सिस्टम है (एसपीएफएस) है। उस रूसी विशेषज्ञों ने दावा किया है कि स्विफ्ट से रूस का निष्कासन उसके लिए अच्छी खबर है। इससे रूस एसपीएफएस को अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बनाने और रूबल को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने की कोशिश में अपनी ताकत झोंकने को प्रेरित होगा। उधर रूस के पास चीन के सिप्स (क्रॉस-बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम) का भी इस्तेमाल करने का विकल्प है। चीन ने सिप्स को स्विफ्ट के विकल्प के तौर पर बनाया है।

महंगाई बेकाबू ना हो जाए!

तेल कंपनियों ने फिलहाल तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया है। संभवतः ऐसा पांच राज्यों में जारी चुनाव के कारण हुआ है। मगर मतदान खत्म होने के बाद अभी कुछ समय मिली राहत जारी नहीं रह पाएगी। 2014 के बाद पहली बार हुआ, जब कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई। भारत के लोग पहले से ही कमरतोड़ महंगाई के बीच जी रहे हैं। इसी बीच रूस-यूक्रेन संकट ने नई स्थिति पैदा कर दी है। इस वजह से कच्चे तेल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी इजाफा हुआ है। नतीजतन, उच्च मुद्रास्फीति के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की संभावना पैदा हो गई है। इस समय भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, जो सालाना करीब 150 अरब डॉलर है। कच्चे तेल की कीमतों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी का पेट्रोल और डीजल की घरेलू कीमतों पर सीधा असर होगा। हालांकि भारतीय तेल कंपनियों ने फिलहाल तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया है। समझा जाता है कि ऐसा पांच राज्यों में जारी चुनाव के कारण हुआ है। मगर मतदान खत्म होने के बाद अभी कुछ समय मिली राहत जारी नहीं रह पाएगी। गौरतलब है कि सितंबर 2014 के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार गई। रूस और यूक्रेन में तनाव अक्टूबर 2021 में शुरू हुआ, उस वक्त तेल 85 डॉलर प्रति बैरल पर था। तब से लेकर अब तक इसकी कीमत में करीब 24 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है।ऐसे में इस आशंका का ठोस आधार है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों का एलान के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे। विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि खुदरा ईंधन की कीमतों में करीब 8-10 रुपये प्रति लीटर की एक साथ बढ़ोतरी होगी। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच तनाव का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले रुपये और कमजोर होने की संभावना बनी हुई है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन संकट का सीधा असर भारत की आम जनता पर भी पड़ेगा।

रूस के हमले से दांव पर दुनिया

बाईस फरवरी की शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर ने अपने लोगों और शेष विश्व के नाम संबोधन में रूस को अमेरिका से दरपेश चुनौतियों के बारे में बताया। उनके दावे के मुताबिक यह सब रूस को पड़ोसी मुल्कों से दूर करने की गर्ज से है। उनका यह भाषण पड़ोसी यूक्रेन से बढ़ते तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आया था। पुतिन ने भाषण में विशेष रूप से जिक्र किया कि अमेरिका ने दुर्भावनावश सोवियत रूस को कमतर और अस्थिर किया था। पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन की कथित भूमिका के बारे में भी तफ्सील से बताया कि वह भी रूसी संघ को अस्थिर करने वाली हालिया पश्चिमी साजिशों में शामिल हो गया है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'यहां मैं पुनः कहना चाहूंगा कि यूक्रेन हमारे लिए केवल पड़ोसी देश नहीं है। यह हमारे साझे इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अभिन्न हिस्सा रहा है।' उन्होंने आखिर में कहा कि मौजूदा हालात में यह जरूरी हो जाता है कि यूक्रेन में 'दोनेस्तक गणतंत्र' और 'लुहांस्क गणराज्य' द्वारा अपनी आजादी और संप्रभुता पाने वाली लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाए। उनके इस प्रस्ताव को रूसी संसद ने आनन-फानन में मंजूर कर लिया।

इस तरह 22 फरवरी को यूक्रेन के साथ बढ़ते तनावों में रूसी आक्रमण की भूमिका तैयार हो गई थी जो मुख्यतः अमेरिका के खिलाफ थी। राष्ट्रपति बाइडेन को इस घटनाक्रम पर तीखी घरेलू आलोचना का सामना करना पड़ा है। पूर्व राष्ट्पति ट्रंप और उनके विदेश मंत्री रहे पोम्पियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन राजनेताओं ने हल्ला बोलते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह स्थिति से सही तरह निपट पाने में बाइडेन प्रशासन की विफलता का नतीजा है और ठीक वैसा है जब प्रशासनिक शिकस्त की वजह से अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज को बेइज्जत होकर वापसी करनी पड़ी थी। इसी बीच रूसी मीडिया ने गर्व से घोषणा की है कि दोनेस्तक और लुहांस्क ने यूक्रेन से निश्चयपूर्ण आजादी पा ली है।

पुतिन ने यह साफ कर दिया है कि अब केवल दोनेस्तक और लुहांस्क ही नहीं बल्कि इलाकाई महत्वाकांक्षा का निशाना समूचा यूक्रेन है। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व सोवियत संघ की नीतियों की कटु आलोचना करते हुए किसी को नहीं बख्शा, जिसमें सोवियत काल के प्रतीक-पुरुष जैसे कि लेनिन, स्तालिन, ख्रुशचेव के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ सोवियत यूनियन के नेतृत्व की तीन पीढ़ियां भी शामिल हैं। कम शब्दों में कहें तो, पुतिन द्वारा विगत के उन राजनेताओं की आलोचना करना अजीब और गैरवाजिब है, जिन्होंने रूस की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की नींव रखी और सोवियत संघ को विश्वशक्ति बनाया था।

पुतिन की इलाकाई महत्वाकांक्षा जाहिर होने के बाद चले घटनाक्रम ने रूस और दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है। जहां पहले यह महत्वाकांक्षा यूक्रेन के चंद इलाकों को 'आजादी' दिलवाने तक सीमित थी वहीं अब समूचा यूक्रेन कब्जाने के फैसले ने विश्व को चौंकाया है। उनका यह दावा यूक्रेन पर धावा बोलने के साथ लागू हुआ। आरंभ में कइयों को लगा कि वे सिर्फ क्रीमिया को रूस में मिलाना चाहते हैं, लेकिन पुतिन के ताजा कृत्य ने दुनिया को हैरान-परेशान कर दिया है। भारत ने पहले भी वार्ता के जरिए रूस-यूक्रेन तनाव कम करने वाले प्रयासों का समर्थन करके सही किया था और अब भी यूक्रेन की मौजूदा सीमारेखा में बदलावों के प्रयास की ताईद न करके समझदारी दिखाई है। भारत सहित शायद ही कोई मुल्क ऐसा होगा जो रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई करके यूक्रेन को हड़पने या टुकड़ों में बांट देने को सही ठहराए। कोई हैरानी नहीं कि राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस पर दबाव बनाने के लिए तमाम नाटो, यूरोपियन और एशियाई सहयोगियों को लामबंद होने का आह्वान किया है। बाइडेन ने सबसे ज्यादा जिन मारक प्रतिबंधों का प्रस्ताव दिया था, उसमें रूस को उपलब्ध विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सुविधाओं से महरूम करना शामिल था। अब इस पर अमल भी हो चुका है। अमेरिका स्थित ब्लूमबर्ग डॉट कॉम ने हालांकि बताया है कि राष्ट्पति पुतिन द्वारा पृथक दोनेस्तक और लुहांस्क को मान्यता देने वाले दस्तावेज पर दस्तखत करने के 24 घंटों के अंदर अमेरिका और यूके ने आनन-फानन में रूस से 350 लाख बैरल कच्चा एवं परिशोधित तेल, सोना सहित 700 मिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक गैस, एल्यूमीनियम, टाइटेनियम, कोयला खरीदा है। रूस से इनका निर्यात आज भी जारी है। यूक्रेनी फौज और नागरिकों द्वारा रूसी सेना को कड़ी टक्कर के बीच पश्चिमी प्रतिबंध और सख्त होने जा रहे हैं। इसका विश्वव्यापी असर होना अवश्यम्भावी है।अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगियों द्वारा रूस पर प्रतिबंधों में सबसे करारा असर 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग व्यवस्था से महरूम करने से होगा। इसके अभाव में रूस की विश्व-व्यापार परिचालन क्षमता बाधित हो जाएगी और रूस के केंद्रीय बैंक का दुनिया के अन्य देशों से वैश्विक लेन-देन पंगु हो जाएगा। हालांकि, रूसी बैंक नियंताओं को इन उपायों का कयास पहले से था। इस सबके बीच रूसी अपना सैन्य अभियान बंद करने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन ने सूझ-बूझ दिखाते हुए स्थिति सामान्य बनाने के लिए वारसा में शांति-वार्ता की पेशकश की है, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रूस ने पहले यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। हालांकि बैठक का एक दौर हो चुका है। रूस द्वारा यूक्रेन पर दमन जारी रखने पर न केवल यूक्रेन को बल्कि रूसी नागरिकों को भी लंबे समय तक दुश्वारियां झेलनी पड़ेंगी, जिससे कटुता बढ़ेगी एवं आपसी एकता भंग होगी और बदनामी झेलनी पड़ेगी। उम्मीद करें कि रूस और यूक्रेन द्वंद्व में तमाम संबंधित पक्ष अपने जहन में रखेंगे कि अपने पड़ोस में शांति और सद्भावना कायम रखना दोनों की जिम्मेवारी है। शांति प्रयासों में फ्रांस और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। रूसी समस्याओं पर अमेरिका और अन्य मुल्कों द्वारा व्यर्थ का छद्म-राष्ट्रवाद बघारने और घुड़कियों का भयावह परिणाम हो सकता है। रूस के पास फिलहाल 6400 परमाणु अस्त्रों का भंडार है, जिसमें 1600 सामरिक मिसाइलें तैयार हैं। रूस ने भड़काए जाने पर इनका इस्तेमाल करने का इरादा गुप्त नहीं रखा है।

यूक्रेन में स्थिति हाथ से निकलने पाए, इस हेतु वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास बहुत महत्वपूर्ण बन जाते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पुतिन जब जेनेवा में मिले थे तो आदर्श राजनेता की तरह कहा था- 'परमाणु युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और यह कभी नहीं होना चाहिए।' उम्मीद करें कि यह दोनों ताकतें तनाव को काबू से बाहर नहीं होने देंगी। अमेरिका और सहयोगियों द्वारा लगाए प्रतिबंधों की वजह से रूस के साथ भारत के व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर असर पड़ेगा। हालांकि इन अड़चनों से जुगत लगाकर पार पाया जा सकता है। लेकिन पुतिन के कृत्यों ने नया वैश्विक तनाव ऐसे समय बना डाला है जब दुनिया पहले से ही कोरोना महामारी का घातक असर झेल रही है। किंतु फिलहाल लगता नहीं कि व्लादिमीर पुतिन पीछे हटने को राजी होंगे, जाहिर है उन्हें अपने परमाणु भंडार की पाश्विक शक्ति पर यकीन है।

-जी. पार्थसारथी
लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

बेलगाम भूमाफिया और खामोश तंत्र

पांच राज्यों में लोकतंत्र का चुनावी उत्सव खत्म होने वाला है। चुनावी उत्सव का वास्तविक उद्देश्य लोकतंत्र के माध्यम से देश के आखिरी आदमी तक लाभ पहुंचाना है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर कई वर्षों से अन्याय के खिलाफ लड़ रहे इंसान को न्याय न मिल पाए तो क्या इस लोकतंत्र का असली उद्देश्य पूर्ण हो पाएगा? अगर जनहित के लिए संघर्ष कर रहे इंसान को बार-बार सत्ता और राजनेताओं से इंसाफ की भीख मांगनी पड़े तो फिर इतने बड़े चुनावी ताम-झाम का क्या फायदा? उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर विजय सिंह पिछले 26 सालों से भूमाफियाओं और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ धरने पर बैठे हुए हैं लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। मास्टर विजय सिंह का कहना है कि सरकार भूमाफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई करे और अगर मैं गलत हूं तो मुझे जेल भेज दे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि मास्टर विजय सिंह योगी आदित्यनाथ द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई की मांग को लेकर जब 25 दिसंबर, 2021 को लखनऊ पहुंचे तो उन्हें हजरत गंज कोतवाली पुलिस ने अवैध हिरासत में लेकर पांच घंटे तक कोतवाली में रखा। इसके अतिरिक्त मुजफ्फरनगर की तत्कालीन जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी ने धरनास्थल पर उनके साथ अभद्रता करते हुए उनके खिलाफ एक बेहूदा मुकदमा दर्ज करा दिया। लोकतंत्र में अगर जनहित के लिए संघर्ष कर रहे एक सामाजिक कार्यकर्ता का ही शोषण होने लगे तो इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। मास्टर विजय सिंह का आरोप है कि जनपद शामली की ऊन तहसील के गांव चैसाना की करीब चार हजार बीघा सार्वजनिक भूमि समेत उत्तर प्रदेश की कई बीघे भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हो पा रही है। भूमाफिया और भ्रष्टाचारी जिस भी पार्टी की सरकार आती है, उसी पार्टी में चले जाते हैं। प्रदेश के शामली जनपद के चैसाना गांव निवासी मास्टर विजय सिंह को जब यह पता चला कि गांव सभा की लगभग चार हजार बीघा जमीन पर कुछ दबंगों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है तो वे बहुत दुखी और निराश हुए। चैसाना गांव पहले मुजफ्फरनगर जनपद में पड़ता था लेकिन शामली अलग जिला बनने के बाद अब यह गांव शामली जनपद की कैराना तहसील के ऊन ब्लॉक में पड़ता है। मास्टर जी ने और जांच-पड़ताल की तो पता चला कि इस जमीन पर कानूनी रूप से अवैध कब्जा किया गया है। जब मास्टर विजय सिंह ने भूमाफियाओं के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। मास्टर जी इन धमकियों से डरे नहीं बल्कि उन्होंने निडर होकर इन धमकियों को इस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का हथियार बना लिया। अन्ततः उन्होंने शिक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया और भ्रष्टाचार तथा अवैध कब्जों के खिलाफ एक लम्बी जंग छेड़ दी। मास्टर जी के इस सत्याग्रह की गूंज जब शासन तक पहुंची तो तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार ने इस भ्रष्टाचार की जांच मेरठ मंडल के आयुक्त एचएल बिरदी को सौंपी। एचएल बिरदी के नेतृत्व में डीआईजी विक्रम सिंह, डीएम सूर्यप्रताप सिंह व अन्य अधिकारियों की टीम गठित की गई। इस टीम ने अपनी जांच में मास्टर विजय सिंह के आरोपों को सही पाया।

मास्टर विजय सिंह के अनुसार भूमाफियाओं ने राजनीतिक संरक्षण के चलते इस जांच रिपोर्ट को निष्क्रिय करवा दिया। इस राजनीतिक दबाव के बावजूद मास्टर जी ने हार नहीं मानी और अपना संघर्ष जारी रखा। इस मामले पर हंगामा ब?ता देख जांच सीबीसीआईडी के हवाले कर दी गई। सीबीसीआईडी की जांच में भी मास्टर विजय सिंह के आरोपों की पुष्टि हुई। शासन एवं प्रशासन के रवैये से आहत होकर मास्टर विजय सिंह को 26 फरवरी, 1996 को जिलाधिकारी कार्यालय, मुजफ्फरनगर में धरने पर बैठना प?ा। धरने के बावजूद आला अधिकारियों के कान पर कोई जूं न रेंगते देख इस धरने को अनिश्चितकालीन करना पड़ा। 26 फरवरी, 2022 को इस अनिश्चितकालीन धरने को 26 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। लेकिन समाज के लिए उन्होंने अपने घर-परिवार के विरोध को भी दरकिनार कर दिया। सवाल यह है कि क्या इस देश में हिंसात्मक आंदोलन की आवाज ही सुनी जाती है? लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स तथा इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे लम्बा एकल धरना मास्टर विजय सिंह के नाम दर्ज है। लेकिन उत्तर प्रदेश की विभिन्न सरकारों ने इस अहिंसावादी आंदोलन पर कोई ध्यान नहीं दिया। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद यह घोषणा की थी कि भूमाफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन विजय सिंह का कहना है कि भूमाफिया खुले आम घूम रहे हैं। पिछले 26 वर्षों के दौरान मास्टर विजय सिंह को अनेक बार मानसिक तनाव झेलना पड़ा है। इस गांधीवादी सत्याग्रह के दौरान कुछ दबंगों द्वारा मास्टर जी पर लगातार हमले किए जाते रहे। इस अत्याचार से बचने के लिए उन्हें गांव छोड़ना पड़ा। मास्टर विजय सिंह का परिवार भी उनके इस आंदोलन के साथ नहीं रहा और लगातार उनका विरोध करता रहा। बहरहाल, 26 साल की तपस्या के बावजूद मास्टर विजय सिंह को अभी न्याय नहीं मिला है।

आपका राशिफल 02 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5744

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके ख्याल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फराह की 'रुत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कोफिल्म-२
३०. अमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 5743

Jagrutidaur.com, Bangalore

मस्तक पर होती हैं 7 लकीरें सबसे ताकतवर हैं शनि रेखा

मान्यता है कि माथे पर बनी किस्मत की रेखाओं के अनुसार ही व्यक्ति का जीवन चलता है। इन रेखाओं के अनुसार ही किस्मत बनती और बिगड़ती है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि माथे पर बनी हर रेखा का एक गृह से संबंध है। जैसे सबसे ऊपर वाली रेखा को शनि रेखा कहा जाता है। यानी शनि ग्रह की स्थिति का असर इस पर पड़ता है। इसी तरह दूसरे नंबर वाली रेखा गुरु रेखा कहलाती है। वृहस्तपति से इसका सीधा संबंध है। इसके बाद क्रमशः मंगल रेखा, बुध रेखा, शुक्र रेखा, सूर्य रेखा और चंद्र रेखा आती हैं।

किस्मत बदल सकती है शनि रेखा

माथे पर स्थित सबसे ऊपर वाली शनि रेखा में बहुत शक्ति होती है। ज्योतिष कहता है कि इसी कारण इसे सबसे ऊपरी का स्थान मिला है। समुद्र लक्षण विज्ञान में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। शनि रेखा अधिक लंबी नहीं होती है। केवल माथे के बीच में ही दिखाई देती है। समुद्र लक्षण विज्ञान कहता है कि इस रेखा के आसपास का हिस्सा शनि देव और शनि ग्रह से प्रभावित होता है।

मान्यता है कि जिस व्यक्ति के मारे पर यह रेखा साफ दिखाई देती है, वह गंभीर स्वभाव का होता है। वहीं, जिन लोगों का माथा थोड़ा उठा होता है और शनि रेखा स्पष्ट दिखाई देती है, वे अहंकारी होते हैं। ऐसे लोगों का स्वभाव रहस्यमयी भी होता है। इनके बारे में दूसरे को ज्यादा जानकारी नहीं होती है। ऐसे ही लोग जादूगर और तांत्रिक बनते हैं। जिन लोगों पर शनि देव प्रसन्न होते हैं, उनके लिए अच्छा वक्त शुरू हो जाता है। ज्योतिषियों की सलाह पर शनि देव की आराधना करें।

माथे की लकीरें बताती हैं कितनी रहेगी उम्र

शरीर लक्षण विज्ञान के अनुसार मस्तक की रेखाओं को देखकर किसी भी व्यक्ति की उम्र का अनुमान लगाया जा सकता है। मस्तक पर दो पूर्ण रेखाएं हो तो व्यक्ति की उम्र लगभग 60 वर्ष होती है। वहीं सामान्य मस्तक पर तीन शुभ रेखाएं हो तो व्यक्ति करीब 75 वर्ष की आयु प्राप्त करता है। यदि मस्तक श्रेष्ठ हो तो जातक की उम्र और भी अधिक होती है। निम्न ललाट पर भी शुभ गुणों से युक्त चार रेखाएं हों तो जातक की आयु लगभग 75 वर्ष होती है।

सामान्य मस्तक पर पांच उत्तम रेखाएं हों तो ऐसे जातक सौ वर्ष तक सुख भोगते हैं। यदि उन्नत मस्तक पर पांच से अधिक रेखाएं हों तो जातक की आयु मध्यम और यदि मस्तक निम्न श्रेणी का हो तो जातक अल्पायु होता है। मस्तक की किन्हीं दो रेखाओं के किनारे आपस में एक-दूसरे का स्पर्श करते हैं तो ऐसे जातक की आयु करीब 60 वर्ष होती है। मस्तक पर यदि कोई रेखा न हो तो व्यक्ति 25 से 40 वर्ष की आयु में पीड़ा पाता है।

सूडोकु नवताल- 6246

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6245 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7303

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरूरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतूरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पेंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. वध्या-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -7302 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

रेलयात्री ध्यान दें...

03 मार्च को नहीं चलेगी भोपाल-डा आंबेडकर नगर, दाहोद-भोपाल एक्सप्रेस भी रहेगी आंशिक निरस्त

भोपाल, । भोपाल से डा आंबेडकर नगर स्टेशन (इंदौर) के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस 03 मार्च को नहीं चलेगी। साथ ही दाहोद-भोपाल एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी। यह ट्रेन दाहोद से उज्जैन तक चलेगी। उज्जैन से भोपाल के बीच रद रहेगी। वहीं ट्रेन 01665 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस तीन व 10 मार्च को रद की जाएगी। इसी तरह ट्रेन 01666 अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस को छह व 13 मार्च को रद किया जाएगा। ट्रेन 11117 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस को 14 मार्च तक और ट्रेन 11118 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस को 15 मार्च तक रद कर दिया है। ये सभी ट्रेनें अलग-अलग रेल मंडलों में चल रहे ट्रैक व सिग्नल के सुधार कार्यों के चलते रद की गई हैं।

इधर, रेलवे विभाग द्वारा यात्रियों को राहत देते हुए कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। कोच लगाने से यात्रियों को सहूलियत हो रही हैं। इन्हें कन्फर्म बर्थ मिल रही है। ट्रेन संख?या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस में 31 मार्च तक प्रतिदिन जोधपुर स्टेशन से व ट्रेन 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में दो मार्च से एक अप्रैल तक प्रतिदिन भोपाल से स्लीपर श्रेणी के एक-एक कोच लगाए जा रहे हैं। ट्रेन 19711 जयपुर-भोपाल एक्सप्रेस में एक मार्च से स्लीपर व सामान्य श्रेणी के एक-एक कोच लगा दिए हैं तो वहीं ट्रेन 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में दो मार्च से इन कोचों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

- ट्रेन 22169 रानी कमलापति-संतरागाछी सुपरफास्ट हमसफर एक्सप्रेस को दो मार्च को व ट्रेन 22170 संतरागाछी-रानी कमलापति सुपरफास्ट हमसफर एक्सप्रेस तीन मार्च को नहीं चलेगी।
- ट्रेन 22909 वलसा?-पुरी एक्सप्रेस तीन मार्च को व ट्रेन 22910 पुरी-वलसाड एक्सप्रेस छह मार्च को नहीं चलेगी।

स्टेशन पहुंचने से पहले पता करें ट्रेन की स्थिति

यदि आप ट्रेन में सफर करने के लिए घर से स्टेशन के लिए निकलने वाले हैं तो अच्छा होगा कि पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति देख लें। इसके लिए आप नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) पर जा सकते हैं। यहां ट्रेन नंबर डालाकर स्टेशन की मौजूदा स्थिति देखी जा सकती है। जिसमें ट्रेन के समय पर चलने, देरी से चलने, रद किए जाने या मार्ग बदले जाने संबंधी सभी सूचनाएं होती हैं। यह जानकारी रेल सुविधा नंबर 139 पर काल करके भी ली जा सकती है। यदि स्टेशन पहुंच जाएं तो पूछताछ केंद्र की मदद से भी उक्त जानकारी हासिल की जा सकती है।

इंडिगो की प्रात:कालीन भोपाल-दिल्ली उड़ान शुरू, इस रूट पर अब पांच उड़ानें

भोपाल। कोरोना की तीसरी लहर का प्रकोप खत्म होते ही होते ही एयर ट्रैफिक भी सामान्य होने लगा है। एयरलाइंस कंपनियां भोपाल से बंद हुई उड़ानें फिर से शुरू करने लगी हैं। इसी सिलसिले में इंडिगो की मार्निंग भोपाल-दिल्ली उड़ान मंगलवार से पुन: शुरू हो गई। कंपनी इस रूट पर 180 सीटों वाली ए-320 स्तर की एयर बस चला रही है। शेड्यूल के मुताबिक उड़ान संख्या 6-ई 2249/2029 सुबह 7.55 बजे भोपाल पहुंचेगी। सुबह 8.40 बजे दिल्ली रवाना होगी। मंगलवार को इस उड़ान से भोपाल से कुल 293 यात्रियों ने सफर किया। इस उड़ान के पुन: शुरू होने के साथ ही इंडिगो की अब भोपाल-दिल्ली रूट पर तीन उड़ानें हो गई हैं। इसके अलावा एयर इंडिया भी भोपाल-दिल्ली मार्ग पर दो उड़ानों का संचालन कर रही है। इस तरह भोपाल से दिल्ली तक यात्रियों को अब पांच उड़ानें मिल सकेंगी। बुधवार से एयर इंडिया की मुंबई उड़ान भी शुरू हो जाएगी। गुरुवार से इंडिगो की रायपुर-भोपाल उड़ान प्रारंभ होगी।

पुरानी पेंशन देकर सालाना चार हजार करोड़ रुपये बचा सकती है सरकार!

भोपाल। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर मध्य प्रदेश सरकार का जो भी रुख हो पर जानकार बताते हैं कि इससे कर्मचारी ही नहीं सरकार को भी फायदा है। वह पुरानी पेंशन लागू कर मौजूदा स्थिति में सालाना चार हजार 128 करोड़ रुपये से अधिक राशि बचा सकती है और परिवार के भरण पोषण की गारंटी होने से कर्मचारी भी खुश हो जाएगा। जिसका राजनीतिक लाभ भी मिल सकता है। तभी तो कांग्रेस ने इस मुद्दे को हाथोंहाथ ले लिया है। कांग्रेस व भाजपा मिलाकर आधा सदन (विधानसभा का सदन) पुरानी पेंशन बहाली पर सहमत है। बस अब सरकार को निर्णय लेना है। ज्ञात हो कि प्रदेश में करीब तीन लाख 35 हजार कर्मचारी पुरानी पेंशन की पात्रता रखते हैं। प्रदेश में अंशदाई पेंशन योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों में सबसे बड़ी संख्या (2.87 लाख) शिक्षकों की है। इनकी नियुक्ति 1995 से 2013 तक हुई है पर 2018 में सरकार ने इन्हें नियमित कर्मचारी माना। इनमें से 85 प्रतिशत शिक्षक वर्ष 2032 के बाद 60 साल के होंगे। तब उन्हें पेंशन देना पड़ेगी। शेष 15 प्रतिशत शिक्षक अगले 10 साल में (हर माह औसतन दो सौ) सेवानिवृत्त होंगे। सरकार को हर माह उनकी पेंशन पर महज पांच करोड़ (60 करोड़ सालाना) रुपये खर्च करने होंगे। वहीं स्थाईकर्मी 60 साल की उम्र पूरी कर रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति लगातार होना है, पर उनका वेतन कम है। इसलिए पेंशन नौ से 15 हजार रुपये मासिक बनेगी। यदि सभी 48 हजार स्थाई कर्मियों को भी पेंशन देनी पड़ी, तो छह करोड़ रुपये मासिक खर्च होंगे।

सत्ता और विपक्ष के सौ से अधिक विधायक पुरानी पेंशन के पक्ष में, मुख्यमंत्री को लिखे पत्र

क्या है अंशदाई पेंशन योजना

इसमें कर्मचारियों के मूलवेतन से 10 प्रतिशत राशि काटी जाती है। जिसमें 14 प्रतिशत सरकार मिलाती है। ब्याज सहित कुल जमा राशि का 40 से 60 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त मिल जाता है। शेष से पेंशन मिलती है, जो वर्तमान में पांच सौ से तीन हजार रुपये तक मिल रही है।

सरकार भी फायदे में

एक कर्मचारी (शिक्षक) के खाते में सरकार को हर माह सात हजार रुपये मिलाना पड़ते हैं। यह राशि एक माह में 210 करोड़ रुपये होती है। यानी सालभर में 2520 करोड़ रुपये। 48 हजार स्थाईकर्मी भी इस पेंशन के दायरे में हैं। उनके खाते में सरकार को औसतन 2800 रुपये हर माह जमा करने होते हैं। यह राशि माह में 134 करोड़ और साल में 1608 करोड़ रुपये होती है। पुरानी पेंशन लागू करने पर सरकार को हर माह इस राशि की बचत होगी।

कर्मचारियों की भी बल्ले-बल्ले

यदि पुरानी पेंशन दे दी जाती है, तो सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारी को मिलने वाले वेतन की 50 प्रतिशत राशि पेंशन के रूप में मिलेगी। उसे अपने वेतन से राशि भी नहीं कटवाना पड़ेगी। इतना ही नहीं, ग्रेच्युटी (लगभग 20 लाख रुपये), जीपीएफ और प्रत्येक छह माह में बढ़ने वाले महंगाई भत्ते का भी लाभ

खरीफ फसलों के लिए 25 लाख मीट्रिक टन खाद मिलेगी

भोपाल। रबी फसलों की कटाई प्रारंभ होने के साथ ही शिवराज सरकार खरीफ फसलों की तैयारी में जुट गई है। किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद मिल जाए, इसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। इस बार 13 लाख टन यूरिया, दस लाख टन डीएपी और ढाई लाख टन एनपीके की आपूर्ति पूरे सीजन में केंद्र सरकार करेगी। यह पिछले साल की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही सरकार ने अपने स्तर से अतिरिक्त खाद की व्यवस्था भी बनाई है। इसके तहत आठ लाख टन खाद का अग्रिम भंडारण किया जाएगा। प्रदेश में प्रतिवर्ष सीजन के समय खाद की समस्या सामने आती है। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के ऊपर काफी दबाव भी बनता है क्योंकि किसानों को 70 प्रतिशत खाद इसी माध्यम से उपलब्ध होती है। इसे देखते हुए सरकार ने इस बार आठ लाख मीट्रिक टन खाद का अग्रिम भंडारण करने का निर्णय लिया है। इसमें सरकार अपने संसाधनों से चार लाख टन यूरिया, तीन लाख टन डीएपी और एक लाख टन कांप्लेक्स खाद का भंडारण करेगी। यह खाद किसानों को बिना ब्याज लिए सीजन प्रारंभ होने से पहले दी जाएगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार को खरीफ सीजन के लिए खाद आपूर्ति का जो प्रस्ताव भेजा था, उस पर सहमति बन गई है। सोमवार को अपर मुख्य सचिव कृषि अजीत केसरी ने केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इसमें तय हुआ कि केंद्र सरकार 13 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 10 लाख मीट्रिक टन डीएपी और ढाई लाख टन एनपीके की आपूर्ति पूरे सीजन में करेगी। पिछले साल 12.16 लाख टन यूरिया, छह लाख तीन हजार टन डीएपी और एक लाख 63 हजार टन एनपीके की आपूर्ति की गई थी।

केंद्र ने दी सहमति

13 लाख टन यूरिया, 10 लाख टन डीएपी और ढाई लाख टन एनपीके की पूरे सीजन में होगी आपूर्ति

मनु व्यास-राजेश गुप्ता, गिरीश-राजीव की जोड़ी फाइनल में

भोपाल। आठवीं लाल परेड ओपन भोपाल बैडमिन्टन प्रतियोगिता के 50 वर्ष वर्ग का फाइनल मनु व्यास-राजेश गुप्ता व गिरीश-राजीव सक्सेना की जोडी के मध्य खेला जायेगा। 55 वर्ग में डॉ शैलेन्द्र बागरे-विवेक तत्ववादी, राकेश जोशी-शैलेन्द्र सिन्हा, साजी थामस-टी सेमुअल, मनोज गुप्ता-सिसोदिया की जोडियों ने सेमीफायनल में प्रवेश कर लिया। स्पर्धा का आयोजन लाल परेड ग्राउन्ड स्पोटर्स क्लब द्वारा किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस जिम्नेशियम हाल, जहॉगीराबाद में स्पर्धा के 50 वर्ष वर्ग के सेमीफाइनल में मनु व्यास-राजेश गुप्ता की जोडी ने कुलवंत पुरी-भरत बंछोर को थोडा संघर्ष के उपरांत सीधे गेमों में 21-8, 21-13 से शिकस्त दी। दूसरे सेमीफाइनल में गिरीश मनचंदा-राजीव सक्सेना की जोडी ने कडे संघर्ष में डॉ शैलेन्द्र बागरे-मुकेश सिंह को 21-9, 21-19 से परास्त कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। स्पर्धा के 55 वर्ष वर्ग में शीर्ष वरीय जोडी विवेक तत्ववादी-डॉ शैलेन्द्र बागरे ने लक्ष्मीनारायण-पियूष भटनागर को 21-8, 23-21 से राकेश जोशी-शैलेन्द्र सिन्हा ने अनिल कपूर-जीएस जुनेजा को 21-5, 21-10 से तथा साजी थामस-टी सेमुअल ने रबीन्द्र सिंह-सुनील देसाई को कांटे के मुकाबले में 21-17, 19-21, 21-19 तथा मनोज गुप्ता-सिसोदिया ने पवन जैन-विपिन माहेश्वरी को कश्मकशपूर्ण मुकाबले में 21-17, 21-17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मध्यप्रदेश के 40% व्यापारी GST वार्षिक रिटर्न करने से चूके

इंदौर। जीएसटी के वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की मियाद 28 फरवरी को बीत गई। अब भी मध्य प्रदेश में करीब 40 प्रतिशत व्यापारी ऐसे हैं जो रिटर्न दाखिल नहीं कर सके। कारोबारियों के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट और कर सलाहकार लगातार मांग कर रहे थे कि रिटर्न दाखिल करने की तारीख आगे बढ़ाई जाए। इन्हें भरोसा भी था कि अंतिम तारीख आगे बढ़ेगी। उम्मीद से उलट मंगलवार तक जीएसटी काउंसिल की ओर से ऐसा कोई ऐलान नहीं हुआ। अब जीएसटी काउंसिल के रवैये से नाराजगी भड़क गई है। कारोबारियों के साथ टैक्स पेशेवरों ने इसे बिना वजह परेशान करने का सरकारी रवैया करार देते हुए विरोध में मोर्चा खोलने की चेतावनी दे दी है। सवाल इसलिए भी उठाया जा रहा है कि तारीख बढ़ाने से सरकार के राजस्व को कोई नुकसान नहीं होता, लेकिन कारोबारियों का राहत जरूर मिल जाती। प्रदेश में करीब 4 लाख व्यवसायी जीएसटी के अंतर्गत पंजीकृत हैं। जीएसटी प्रणाली में हर व्यवसायी को मासिक रिटर्न के साथ टैक्स चुकाना होता है। वार्षिक रिटर्न में सालभर के चुकाए गए रिटर्न का ब्यौरा दाखिल होता है। दो करोड़ रुपये से कम वार्षिक टर्नओवर वाले व्यापारियों के लिए जीएसटी का वार्षिक रिटर्न जमा करना ऐच्छिक है। जबकि इससे ज्यादा टर्नओवर वाले व्यापारी के लिए अनिवार्य। मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन लखोटिया के अनुसार कम से कम सवा लाख व्यापारी हैं जो टर्न ओवर की इस सीमा से ऊपर हैं और अनिवार्य रिटर्न के दायरे में आते हैं। इंदौर जैसे शहर में ही मुश्किल से 50 से 60 प्रतिशत व्यापारी ही आज की स्थिति में वार्षिक रिटर्न दाखिल कर सके हैं। छोटे शहरों और कस्बों में यह प्रतिशत और भी कम होगा। इसके पीछे किसी की लापरवाही नहीं बल्कि तार्किक कारण है। दरअसल, अब तक आयकर आडिट और रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया ही चल रही है। बुधवार से जीएसटी के वार्षिक रिटर्न की अव्यवहारिक तारीखों के खिलाफ व्यापारियों और पेशेवरों का विरोध शुरू हो सकता है। तमाम कारोबारियों की शिकायत है कि वे चाहते तो भी जीएसटी वार्षिक रिटर्न नहीं दाखिल कर सकते थे क्योंकि सीए और कर सलाहकार अब तक आयकर की औपचारिकताओं में ही व्यस्त हैं। इसके बावजूद अब कारोबारी की जेब पर लेट फीस का बोझ आएगा। बुधवार को केंद्र और राज्य जीएसटी कमिश्नरों को मिलकर प्रतिनिधिमंडल जीएसटी काउंसिल तक अपना विरोध पहुंचाने की कोशिश करेगा।

लेट फीस से कमाई

कमर्शियल टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केदार हेडा और पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट एके गौर के अनुसार 15 फरवरी आयकर का आडिट करवाने की अंतिम तारीख थी। इसके बाद आडिट का आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 15 मार्च तक है। आयकर रिटर्न के बाद ही जीएसटी वार्षिक रिटर्न की तारीख रखा जाना व्यवहारिक होता। एक मार्च से वार्षिक रिटर्न में देरी पर 200 रुपये प्रति दिन की लेट फीस लागू हो गई है। साफ है कि सरकार 15 से 30 दिन की लेट फीस हर व्यापारी से कमाने की गरज से मनमानी तारीखें निर्धारित कर रही है।

बाघ-तेंदुआ ही नहीं, तितलियों के लिए भी महफूज है रातापानी वन्यजीव अभयारण्य

भोपाल। प्रदेश का रातापानी वन्यजीव अभयारण्य बाघ-तेंदुआ के लिए ही नहीं, तितलियों के लिए भी महफूज ठिकाना है। यहां तितलियों की 104 प्रजातियां मिली हैं। इनमें से कई संकटग्रस्त हैं। यह जानकारी वन विभाग ने %सिटीजन्स साइंस बटरफ्लाई सर्वे की रिपोर्ट में दी है। यह सर्वे सितंबर 2021 में हुआ था, जो प्रदेश के किसी भी अभयारण्य व रिजर्व क्षेत्र में वैज्ञानिक आधार पर कराया गया पहला सर्वे है। तितलियों की मौजदूगी से यह साबित हुआ है कि यहां का वातावरण संतुलित है। अब वन विभाग इस रिपोर्ट के आधार पर न केवल तितलियों के संरक्षण की योजना पर काम कर रहा है, बल्कि बाघ-तेंदुआ समेत सभी जीवों के संरक्षण में भी इस रिपोर्ट की मदद ले रहा है। मालूम हो कि राजधानी से अभयारण्य की दूरी 20 किलोमीटर है, जिसमें वर्ष 2018 की बाघ गणना के अनुसार 20 बाघ थे। हालिया अनुमान के आधार पर यह संख्या 30 से अधिक बताई जा रही है। वहीं तेंदुए 50 से अधिक हो चुके हैं।

ये तितलियां मिलीं

सबसे छोटी तितली= ग्रास ज्वेल (पंखों की चौड़ाई 2.2 सेंटीमीटर)
सबसे बड़ी तितली= क्रिमसन रोज (पंखों की चौड़ाई- 11 सेंटीमीटर)
ये संकटग्रस्त प्रजातियां मिलीं= क्रिमसन रोज, कामन माइन, कामन पिएरोट, ग्राम ब्लू, पी ब्लू, टेललैस लाइन ब्लू, बैंडेड एगफ्लाइ, डार्क बैंडेड बुश ब्राउन, ग्लासी टाइगर।

राजधानी में हर माह निकलता है पांच सौ क्विंटल ई-कचरा

निस्तारण को लेकर नगर निगम लापरवाह

भोपाल। राजधानी में बढ़ते इलेक्ट्रानिक कचरे की वजह से लाखों महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में हजारों महिलाएं व बच्चे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से कचरा कलेक्शन से जुड़े हुए हैं। कई बार ये लोग ई कचरे के संपर्क में भी आते है। यह कचरा न केवल उन महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि यह कचरा उनके अजन्मे बच्चे को भी खतरे में डाल रहा है। ई कचरे के संपर्क में आने वाले बच्चे अपने छोटे आकार, कम विकसित अंग व विकास की तीव्रता की वजह से अपने आकार की तुलना में अधिक प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं। उनका शरीर विषाक्त पदार्थों को झेलने और शरीर से बाहर निकालने में वयस्कों की तुलना में कम है। वहीं एक गर्भवती महिला के इस कचरे के संपर्क में आने से उसके साथ अजन्मे बच्चे के स्वास्थ्य व विकास पर भी खतरा है। इसके कारण बच्चे का समय से पहले जन्म, मृत्यु व उसके विकास पर असर पड़ता है। साथ ही यह उसके मानसिक विकास, बौद्धिक क्षमता व बोलने की शक्ति को भी प्रभावित करता है। ठक्कर ने बताया कि ई-कचरा बच्चों के सांस लेने की क्षमता और फेफड़ों के कार्य प्रणाली पर भी असर डालता है। यह बच्चों के डीएनए को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इससे थायरायड संबंधी विकार और बाद में उनमें कैंसर और हृदय रोग के खतरे को बढ़ा देता है। ईवेस्ट संग्रहण को लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड 2010 से अभियान चला रहा है। लेकिन बोर्ड को भी जानकारी नहीं है कि प्रदेश का ईवेस्ट कहां जा रहा है, उस कचरे का रिसाइकिल कहां हो रहा है। वैसे बीते सालों में प्रशासन ने बढ़ते ईवेस्ट के खतरे को कम करने के लिए प्रदेश भर में 270 कलेक्शन सेंटर प्रस्तावित हैं, लेकिन भोपाल व इंदौर में दो कलेक्शन सेंटर के अलावा अभी शुरू नही हो सके। अधिकारियों का कहना है कि केन्द्र सरकार से ईवेस्ट को लेकर बीते दो सालों से एक सेंट्रलाइज प्लेटफार्म तैयार करने के लिए पत्राचार कर रहे हैं। जाकि बोर्ड को पता चल सके कि राजधानी में कितना ई-कचरा कलेक्ट हो रहा है और कितना रिसाइकिल होकर यूज हो रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास स्पष्ट आंकड़े नहीं

खुले में ईवेस्ट फेंकने पर तीन लाख का जुर्माना

पर्यावरण एक्सपर्ट आलोक जैन ने बताया कि ई-वेस्ट को खुले में फेंकने या कबाड़ी को बेचने वालों पर 3 लाख तक की पेनाल्टी या एक साल की सजा प्रावधान है। लेकिन ई-वेस्ट मैनेजमेंट रैगपिकर्स अपलिफ्टमेंट प्रोजेक्ट द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया है कि शहर की 86 फीसदी आबादी को ई-वेस्ट के नियमों की जानकारी नहीं है। जबकि यह ई-कचरा पानी, जमीन के साथ हवा को भी प्रदूषित कर रहा है।

कचरा गाड़ी में लगाए ईवेस्ट के बाक्स

नगर निगम द्वारा कचरा गाड़ियों में ईवेस्ट के लिए अलग से बाक्स बनाए गए हैं, लेकिन लोगों जागरूकता की भारी कमी है। लोग अभी भी इन गाड़ियों के बाक्स में ई-कचरा नहीं डाला जा रहा है। जबकि लोग टीवी, सेलफोन व अन्य इलेक्ट्रानिक उत्पाद खुले में फेंक रहे हैं या कबाड़ियों को बेच देते हैं।

551 कलश ने बनाया भव्य

महायज्ञ की शोभायात्रा में उमडा आस्था का सैलाब

सिहोरा – महाशिवरात्रि के पावन पर्व से प्रारम्भ हुए 11 कुंडीय विश्वशांति श्रीराम महायज्ञ की मंगलवार को निकली भव्य शोभायात्रा में हजारो भक्तों की आस्था का सैलाब उमड पडा इसमे शामिल 551मंगल कलशो ने इसे और भव्य बना दिया भले ही शोभायात्रा पांच घंटे देर से प्रारंभ हुई फिर भी हर तरफ केवल भक्तों की भीड ही नजर आ रही थी ।कलश यात्रा महायज्ञ स्थल से बैंडबाजों,आतिशबाजी के साथ शुरु हुई जिसमे श्री श्री 1008 बाल संत सीताशरण जू महाराज ,संत श्री सीताराम शरण जू महाराज के साथ अन्य साधू संत शामिल हुए।इसी तरह श्रीराम सीता, लक्ष्मण, हनुमान, भगवान भोलेनाथ माता पार्वती ,भारत माता की झांकी भी लोगो की आस्था का केन्द्र रही। भक्तगण खुशी से नाचते गाते चल रहे थे।

जगह जगह स्वागत

ऐतिहासिक शोभायात्रा का हरदौल मंदिर ,मैना कुंआ,कालभैरव चौक ,झंडाबाजार, गौरीतिराहा,पुराना बस स्टेंड में भक्तों ने मंच सजाकर स्वागत किया । महायज्ञ में आमजन की कितनी बडी आस्था है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की लोगो ने शोभायात्रा में शामिल होने के लिए चार से पांच घंटे तक इंतजार किया।

भोलेनाथ की भी निकली बारात

महाशिवरात्रि पर शोभायात्रा के साथ भगवान भोलेनाथ माता पार्वती की भी बारात निकली इसके साथ ही शिवमंदिर बाबाताल सहित अन्य

शिवालयों में सुबह से ही भोलेनाथ की पूजा करने लम्बी लाइन लगी रही तथा बाबाताल में पार्थिव शिवलिंग का निमार्ण किया गया।

तीन सौ बटुकों का जनेऊ संस्कार

महायज्ञ में सिहोरा खितौला के अलावा अनेक शहरी ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे तीन सौ से ज्यादा ब्राम्हण बालको का यज्ञोपवीत जनेऊ संस्कार पूरे विधिविधान से सपन्न कराय गया जिसमें उनके परिजनों ने बडी संख्या में हिस्सा लिया तथा संत जी फिर एक एक करके सभी बालकों को गुरुमंत्र भी दिया ।

अनेक जनप्रतिनिधि शामिल

महायज्ञ में तथा नगर के प्रमुख मार्गो से होकर निकली भव्य शोभायात्रा में सिहोरा विधायक नंदनी मरावी,पाटन विधायक अजय विश्नोई, बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे,पूर्व विधायक दिलीप दुबे सहित अनेक जनप्रतिनिधि एंव गणमान्य नागरिको ने हिस्सा लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया ।

महाशिवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया

कुंडम के कुंडेश्वर धाम में भगवान भोलेनाथ के दरबार में भक्तों का सुबह से ताता लगा रहा साथ ही भीड़ अधिक होने के कारण पुलिस व्यवस्था की गई जिसमें समस्त नगर की माताओं बहनों बड़े बुजुर्गों ने भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र धतूरा वेर

आम की मोर वाली चना नारियल प्रसाद एवं सभी लोगों ने जल अभिषेक और पूजन किया साथ ही भक्तों द्वारा 5151 फिट के झंडा बैंड बाजों की रैली निकालकर झंडा चढ़ाए गए साथ ही माताएं बहनों ने शिव के दरबार में छोटे-छोटे बच्चों का मुंडन कार्य भी कराया गया रात्रि में सीहोराविधायक नंदनी मरावी कमलेश साहू बाबा बद्री बाबा काशीनाथ बाबा अघोरी एवं नगर वासियों द्वारा महाआरती कीर्तन भजन के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

भगवान शिव के दिव्य अवतरण को याद किया

कुंडम-प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उपसेवाकेन्द्र कुण्डम में परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण का यादगार महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत बहुत-बहुत धूमधाम से मनाया गया। जिसमें शिव और शंकर में महान अंतर को प्रकट करते हुई लघुनृत्यनाटिका का प्रस्तुतीकरण नन्हे कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया गया साथ ही आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी नगर वासियों ने हर्षोल्लास के साथ लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. उषा बहन ने सभी नगर वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी।

शक्ति पम्पस् को माइक्रो स्मार्ट पंप के लिए पुरस्कार मिला

नई दिल्ली । एनर्जी एफिशिएंट पम्पस् और मोटर्स के अग्रणी निर्माता शक्ति पंप्स ;इंडियाद्ध लिमिटेडए को एक अत्यधिक कुशल सबमर्सिबल हेलिकल पंप सॉल्यूशन . माइक्रो स्मार्ट पंप के इनोवेशन के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार शक्ति पंप्स को आज नई दिल्ली में लो कार्बन टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया।

माइक्रो स्मार्ट पंपए जो शक्ति पम्पस् के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के ऐसे कई नये समाधानों में से एक हैए जिसे कम कार्बन टेक्नोलॉजी के इनोवेशन को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था के औद्योगिक और अन्य संबंधित क्षेत्रों में इसके फैलाव के लिए थ्रूब्ज्क् परियोजना की सुविधा के तहत बनाया गया था। शक्ति पंप्स को माइक्रो स्मार्ट पंप के लिए 35 लाख रुपये का अनुदान मिला।ब्यूरो ऑफएनर्जी एफिशिएंसी ;और संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन द्वारा संयुक्त रूप से बनाया गया है।

धूम धाम से निकली शिव की बारात

पाटन। परम दयालु बाबा बैरागी भगवान भोलेनाथ का महापर्व शिवरात्रि की पूरे नगर में धूम रही नगर के शिवालयों में सुबह से ही पूजा अभिषेक का क्रम देर रात तक जारी रहा पिपलेश्वर धाम में सुबह चार बजे शिव की भस्म आरती की गई ज्ञान विजय परिसर में चल रहे पांच दिवसीय अनुष्ठान में शिवलिंग निर्माण किया गया बही मुक्ति धाम शिव धाम में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया दोपहर में पिपलेश्वर धाम से महादेव परिवार द्वारा शिव की बारात निकाली गई जो कि मुक्ति धाम में समाप्त हुई शिव बारात में नृत्य करते भोले भंडारी और भस्म उ?ते भूत पिसाच अघोरी लोगो के आकर्षण का केंद्र रहे नाग तालाब मंदिर में शाम को शिव का विशेष श्रगार और महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया पवई धाम में सात दिवसीय मेला - महाशिवरात्रि के पर्व पर ग्राम पवई अमरपुर में सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन पिछले 35 वर्षो से किया जा रहा है शिव शक्ति यज्ञ और राम कथा के साथ रात्रि कालीन कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिदिन किया जा रहा है महाशिवरात्रि पर पवई धाम में ग्राम उ?ना और बरोदा से शिव बारात पहुँची रात्रि में मनीष अग्रवाल मोनी द्वारा पवई धाम में मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गयी जिसका शिव भक्तों ने जम कर आनंद लिया और भक्ति में सराबोर हो गए।

जैविक खेती आज की आवश्यकता है विषय पर हुआ व्याख्यान

कुंडम। शासकीय महाविद्यालय कुण्डम जबलपुर की रासेयो इकाई के तत्वाधान में जैविक खेती के महत्त्व और आवश्यकता पर ?व्याख्यान का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डॉ नम्रता जैन ,वरिष्ठ वैज्ञानिक ,जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ने जैविक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता क्यों और कैसे विषय पर बहुत ही व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने जैविक खेती से विद्यार्थियों को परिचित कराया साथ ही कुण्डम क्षेत्र में जैविक खेती की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की डॉ जैन ने केंचुआ खाद और नाडेब बनाने की विधि को भी विस्तारपूर्वक बताया 7पी.एच .डी.स्कॉलर सुश्री अनामिका जैन ने बताया कि किस तरह केंचुआ खाद की मांग दिनों दिन ब?ती जा रही है और विधार्थी इसे आसानी से तैयार कर आय अर्जित कर सकते हैं 7कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रश्मि झारिया ,डॉ मालती रजक और श्री अमरदीप बिंझारे के निर्देशन और सहयोग से हुआ जिसमे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की ।

फागुन घोड़ी पर चढ़ा,बजने लगा मृदुल।
हिरन चौकड़ी घड़कने,चितवन,चित्र पतंग।

सिहोरा में काव्य गोष्ठी का आयोजित

सिहोरा – साहित्य प्रेमियो द्वारा एक काव्यगोष्ठी का आयोजन कवि रमाकांत पाठक के बाबाताल के पास स्थित निवास में किया गया।

यह कार्यक्रम प्रतापगढ़ से पधारे प्रसिद्ध कवि व्योमजी के मुख्य आतिथ्य व राष्ट्रीय स्तर के कवि अश्विनी कुमार पाठक सिहोरा की अध्यक्षता व वरिष्ठ कवि विजय बागरी कछारगाँव,सिहोरा महाविद्यालय की प्राध्यापिका एवं वरिष्ठ साहित्यकार डा ? अरुणा पाण्डे खितौला के सारश्वत आतिथ्य में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में भारत के हृदयस्थल सिहोरा क्षेत्र के विभिन्न कवियो ने भाग लिया तथा अपनी अपनी विधाओ में काव्यपाठ कर सभी का मन मोह लिया।प्रमोद दाहिया ने दूध,मलाई खाकर इनके कुत्ते मुँह को चाटे, रमाकांत पाठक ने सब बिकता यहाँ कोई पैसा तो दे,गजल विधा में पारंगत अखिलेश माँझी ने गजल,धर्मशीला दुबे ने नवगीत ,नारायण तिवारी ने पचेली भाषा में %एक छोटे सो किरबा दुनिया खे हिला दैस,नरेन्द्र त्रिपाठी ने गीत चार पैसे क्या मिले, विजय पटेल,संजय तिवारी ने %अक्सर ऐसा क्यों होता है आदि प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का संचालन नारायण तिवारी ने किया। आभार प्रदर्शन व अतिथियो का सम्मान सूरज प्रसाद पाठक ने किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष ने दर्द से दिल पिघलता नहीं है,। मुख्य अतिथि ने मेरा क्या मैं तो मुक्त पवन,अरुणा पांडे ने आँखों को पलकर सुन्दर की सौगात मिली है तथा बागरी के

फागुन सहलाकर गया ,जब गोरी के गाल।

पुलकन लगती पचमढ़ी,नैना नैनीताल। । जैसे श्रंगार युक्त दोहे ने पूरे वातावरण को वासंती कर दिया।

पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुति एक प्यार का नगमा

जबलपुर। सृजन, संगीत, संस्कृति के लिए क्रियाशील मंथनश्री संस्था द्वारा स्वर्गीय लता मंगेशकर एवं भप्पी लहरी को समर्पित पुराने फिल्मी गीतों का कार्यक्रम स्वरांजलि कला वीथिका में आयोजित किया गया। स्वरांजलि के अतिथि विधायक विनय सक्सेना, समाजसेवी सूरज जायसवाल एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.सुधीर तिवारी थे। प्रारंभ में मंथन के अध्यक्ष श्री संतोष नेमा संतोष एवं महासचिव राजेश पाठक प्रवीण ने अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत किया। श्री संतोष नेमा ने कहा कि मंथनश्री संस्था ने सृजन और संगीत के द्वारा सांस्कृतिक परिवेश की आराधना की है । संगीत मन को आनन्दित करता है । अपर्णा नेमा की सरस्वती वंदना से प्रारम्भ समारोह मेंएक प्यार का नगमा है,गम उठाने के लिए,प्यार किया तो डरना क्या,बीते हुए लम्हों की कसम,वादा करले साजना, तेरे चेहरे से नजर नहीं उठती जैसे सुमधुर गीतों को सुशील श्रीवास्तव, जी.व्ही.अग्रवाल, डॉ.अनिल कोरी,राम पांडेय,जितेंद्र ठाकुर,मनोज शर्मा, अर्चना गोस्वामी, आयशा खान,

विनीता पैगवार विधि,दुर्गेश गर्ग, कमल बघेल, अरविंद विश्वकर्मा, अदिति नेमा,मयूर रामावत, उमेश मिश्रा के साथ कार्यक्रम के संयोजक मोहित मिश्रा एवं समन्वयक डॉ. प्रतिभा पटेल ने प्रस्तुत किया । इस अवसर पर पाथेय संगीत संस्था से मोहन लोधिया, कृष्णकुमार दुबे,गूँज संगीत से माधुरी मिश्रा उमेश मिश्रा,जागरण संगीत से सुभाष शलभ,इंद्रपाल गोगी,सीनियर सिटीजन क्लब से बच्चन श्रीवास्तव, प्रभा श्रीवास्तव, एवंअंतस संगीत संस्था से डॉ अनिल कोरी एवं विनीता पेगवार कला साधना के लिए सम्मानित किया गया। संचालन राजेश पाठक प्रवीण एवं डॉ. प्रतिभा पटेल ने किया।आभार संतोष नेमा संतोष ने व्यक्त किया।इस अवसर पर प्रतुल श्रीवास्तव,सुभाष जायसवाल,विजय नेमा अनुज, डॉ. विजय किसलय, जे.पी.गिनारा,अरुण श्रीवास्तव,विजय जायसवाल, एच.बी. पालन,सरिता नेमा,अमित बाबा, अमरेंद्र नारायण ,डॉ.सलपनाथ यादव,प्रकाश तिवारी,राजेन्द्र मिश्रा,प्रीति सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

चाकू खोंसकर जा रहे बदमाश को पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। कोतवाली थाना अंतर्गत दरमियानी रात पुलिस ने एक पुराने बदमाश को दबोच लिया। जिसकी तलाशी लेने पर चाकू खोंसे मिला। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने जा रहा था, तभी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ओमती का पुराना बदमाश राजा कल रात को चाकू खोंसकर घूम रहा था। सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। जिसके कब्जे से एक चाकू बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है।

शोभायात्रा में युवक का चाकू से गाल काटा

जबलपुर, यशभारत। थाना गोहलपुर में महाशिवरात्री पर निकल रही भोलेनाथ की शोभायात्रा के दौरान डासं करते हुए धक्का लग जाने से गुस्साए आरोपी ने चाकू से युवक के ऊपर वार कर गाल काट दिया और मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी अनुसार अनुज जायसवाल 18 वर्ष निवासी नर्मदानगर ने पुलिस को बताया कि वह शांतिनगर रोड पर डोसे का ठेला लगाता है। दरमियानी रात वह गोहलपुर चौराहे से शंकरजी की शोभा यात्रा में जा रहा था। तभी शोभायात्रा अमखेरा रोड दुर्गा मंदिर के सामने बस्ती नम्बर 2 में पहुंची वह अपने दोस्त अमन पाण्डे, शनि कनोजिया के साथ डांस कर रहा था , वहीं प्रिंस परिहार भी डांस कर रहा था । इस दौरान डांस करते समय प्रिंस परिहार को धक्का लग गया । इसी बात पर प्रिंस परिहार गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो प्रिंस परिहार ने चाकू से गाल में हमलाकर दिया। उसके साथियों ने बीच बचाव किया तो प्रिंस अहिरवार जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

छोटे भाई पर शराबी भाई ने किया पत्थरों से हमला : फोड़ दिया सिर

जबलपुर, यशभारत। थाना पाटन में शराबी भाई से उलझना भाई को महंगा पड़ा गया। जिसके चलते शराबी ने पत्थरों से हमला कर सिर फोड़ दिया और मौकेसे फरार हो गया। आनन-फानन में घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी अनुसार पंचम अहिरवार 33 वर्ष निवासी ग्राम भुंवारा ने पुलिस को बताया कि वह पुट्टी पेंटिंग का काम करता है। जब वह घर पर था तभी उसके चाचा का बेटा लक्ष्मण अहिरवार शराब पीकर गाली गलौज कर रहा था, उसने घर के बाहर आकर गालियां देने से मना किया तो लक्ष्मण ने उसके साथ गाली गलौज करते हुये वहीं पड़े पत्थर से हमलाकर सिर में फोड़ दिया । पत्नी ने बीच बचाव किया तो लक्ष्मण जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

महाशिवरात्रि की नगर में धूम

गोटेगांव महाशिवरात्रि के महा धार्मिक अवसर पर नगर के सभी शिव मंदिरों एवं घर-घर भगवान शिव के विशेष पूजन अर्चन किए गए नगर में चारों तरफ शिव भक्ति की धूम देखी गई सभी प्रमुख मंदिरों में जहां चारों पहर के भगवान भोलेनाथ के अभिषेक भजन कीर्तन होते देखे गए वहीं पथरिया कुआं के नजदीक स्थित भगवान पिपलेश्वर महादेव शिव पार्वती मंदिर जहां पर मां नर्मदा भगवती दुर्गा माता भगवान बजरंगबली भी विराजमान है यहां पर पंडित जितेंद्र चौबे के द्वारा प्रथम पहर का अभिषेक शिवरात्रि रात्रि 8ः00 बजे से विधि विधान से किया गया जिसमें आसपास के सभी धार्मिक जन उपस्थित थे वहीं रात्रि के चार पहर के अभिषेक में सत्यनारायण मिश्रा. अन्नी लाल गुप्ता, अशोक नामदेव राकेश सोनी ,दीपक श्रीवास, सत्येंद्र सोनी. बीडी सोनी. आदि चारों पहर दूध दही घी शक्कर शहद पंचामृत से अभिषेक पूजन आरती हवन गाजे-बाजे के साथ किए यह धार्मिक आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है जिसमें सभी धर्म जनों का विशेष सहयोग रहता है।

धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि का पर्व

बेलखाडू /महाशिवरात्रि का पावन पर्व मंगलवार को बेल खाडू व आसपास के ग्रामों में आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। बाल बाबा मंदिर खैरी साईं मंदिर बेल खाडू राम जानकी मंदिर रामबाग हनुमान मंदिर बघोड़ी, आदि आसपास के ग्रामों के मंदिरों में व घरों में शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंदिर बना कर पूजा अर्चना की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भी? पहुंचने लगी थी। भगवान भोलेनाथ और मां गौरी की पूजा में भक्त कोई कमी नहीं रखना चाहते थे। शिव मंदिर पहुंचे भक्तों ने भोलेनाथ का प्रिय बेलपत्र, सफेद फूल, समी पे?ों पर आई नई बौर, बेल व गेहूं की बाली सहित दूध, दही आदि से विधि-विधान के साथ शिवलिंग में स्नान कराकर पूजा-अर्चना कर रुद्राभिषेक किया व जगह-जगह भक्तों द्वारा महा आरती एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

नगर निगम के कर्मचारियों में अत्यधिक आक्रोश

बरगी नगर । मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ब्लॉक शाखा बरगी के अध्यक्ष केके तिवारी एवं संरक्षक द्ध.द्य. नाथ ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि नगर निगम जबलपुर के कर्मचारियों के साथ शासन एवं प्रशासन के द्वारा हो रहे अन्याय पूर्ण कार्यवाही के चलते कर्मचारियों की न्याय उचित मांगों से वंचित रखा गया है जिससे नगर निगम के कर्मचारी 4 मार्च 2022 को काम बंद हड़ताल करने बाध्य हो गए हैं जिनके समर्थन में मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री पंडित योगेश दुबे एवं अरवेद्र राजपूत जी के आवाहन पर बरगी नगर के तमाम कर्मचारी 4 मार्च को काम बंद हड़ताल में शामिल रहेंगे संघ के धनीराम पटेल बबलू त्रिपाठी किशोर यादव एल के पास सूरज चौधरी डीसी चौधरी अरुणा नामदेव सुभद्रा पांडे शेख मुबारक शेख मुस्तफा के इत्यादि ने मांगों के निराकरण की मांग की है।

100वें टेस्ट में कोहली के पास विराट रिकॉर्ड बनाने का मौका

100 टेस्ट खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी

भारत की ओर से अभी तक कुल 11 खिलाड़ी हैं जिन्होंने 100 टेस्ट मैच खेले हैं। मोहाली में 100वां टेस्ट खेलने के बाद कोहली यह उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर (200), राहुल द्रविड़ (163), वीवीएस लक्ष्मण (134), अनिल कुंबले (132), कपिल देव (131), सुनील गावस्कर (125), दिलीप वेंगसरकर (116), सौरव गांगुली (113), इशांत शर्मा (105), हरभजन सिंह (103) और वीरेंद्र सहवाग (103) 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं।

भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट सीरीज

अब तक नौ बल्लेबाजों ने 100वें टेस्ट में शतक लगाया 1877 में शुरू हुए टेस्ट क्रिकेट के करीब 145 साल के इतिहास में अब तक सिर्फ नौ बल्लेबाजों ने ही अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया है। इसमें इंग्लैंड के तीन खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के एक-एक और पाकिस्तान-दक्षिण अफ्रीका के दो-दो खिलाड़ी शामिल हैं। अब तक भारत के किसी भी खिलाड़ी ने अपने 100वें टेस्ट में शतक नहीं लगाया है।

श्रीलंका को टी-20 सीरीज में पटखनी देने के बाद अब भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी में जुट गई है। चार मार्च यानी शुक्रवार से मोहाली में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। यह विराट कोहली के करियर का 100वां टेस्ट भी होगा। पिछले काफी समय से आउट ऑफ फॉर्म कोहली के लिए इस मैच से वापसी करने का बेहतरीन मौका है। श्रीलंका के खिलाफ कोहली का शानदार रिकॉर्ड यह बताता है कि वह अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रच सकते हैं। अब तक विश्व के कुल 70 खिलाड़ियों ने 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल की है। इसमें सचिन तेंदुलकर 200 टेस्ट के साथ टॉप पर हैं। वहीं, जेम्स एंडरसन 169 टेस्ट के साथ दूसरे और रिकी पोंटिंग 168 टेस्ट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, जो रूट, ईशांत शर्मा और नाथन लॉयन ही 100 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले एक्टिव प्लेयर्स हैं। ऐसे में विराट भी अगले टेस्ट में मैदान पर उतरते ही इस क्लब में शामिल हो जाएंगे।

कोहली के पास तेंदुलकर-द्रविड़ को पीछे छोड़ने का मौका

ऐसे में विराट कोहली के पास तेंदुलकर, द्रविड़ जैसे बल्लेबाजों को पीछे छोड़ने और इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल होने का भी बेहतरीन मौका है। ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ही दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया था। पोंटिंग ने ऐसा 2006 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था। तब पोंटिंग ने पहली पारी में 120 रन और दूसरी पारी में नाबाद 143 रन बनाए थे।

विश्व के इन बल्लेबाजों ने बनाया है रिकॉर्ड

इसके अलावा, कॉलिन काउड्रे (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), गॉर्डन ग्रीनिज (वेस्टइंडीज), एलेक स्टीवर्ट (इंग्लैंड), इंजमाम उल हक (पाकिस्तान), ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका) और जो रूट (इंग्लैंड) भी ऐसा कर चुके हैं। जो रूट इस लिस्ट में शामिल एकमात्र एक्टिव प्लेयर हैं। रूट ने 2021 में भारत के खिलाफ ही अपने 100वें टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा था। तब उन्होंने चेन्नई में 218 रन की पारी खेली थी।

145 साल में महज नौ खिलाड़ी कर सके हैं ऐसा

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा रन (भारतीय)

बल्लेबाज	मैच	रन	औसत	100/50	
सचिन तेंदुलकर	25	1995	60.45	9/6	
राहुल द्रविड़	20	1508	48.64	3/9	
वीरेंद्र सहवाग	11	1239	72.88	5/3	
मोहम्मद अजहरुद्दीन	17	1215	55.22	5/4	
सौरव गांगुली	14	1064	46.26	3/4	
विराट कोहली	9	1004	77.23	5/2	
विराट कोहली					

क्यों विराट कोहली कर सकते हैं ऐसा?

विराट कोहली का श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ नौ मैच की 15 पारियों में 77.23 की औसत से 1004 रन बनाए हैं। इसमें पांच शतक और दो अर्धशतक शामिल है। एक बार वह शून्य पर भी आउट हुए हैं। घरेलू जमीन पर श्रीलंका के खिलाफ कोहली का रिकॉर्ड और भी बेहतर है। उन्होंने भारत में श्रीलंकाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट खेले हैं। इसकी पांच पारियों में 152.50 की औसत से 610 रन बनाए हैं। इसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

श्रीलंकाकेखिलाफ घरेलूजमीन पर सबसे ज्यादा रन(टेस्ट)

भारतीय बल्लेबाज	मैच	रन	औसत	100/50	
राहुल द्रविड़	8	846	76.90	2/5	
सचिन तेंदुलकर	13	840	52.50	4/2	
मोहम्मद अजहरुद्दीन	8	648	72.00	3/2	
विराट कोहली	3	610	152.50	3/1	
नवजोत सिंह सिद्धू	6	554	79.14	2/2	
वीरेंद्र सहवाग	5	547	78.14	2/1	

श्रीलंका के खिलाफ विराट ने दो दोहरे शतक जड़े

विराट ने श्रीलंका के खिलाफ नागपुर और दिल्ली में दो दोहरे शतक भी जड़े हैं। नागपुर में विराट ने 213 रन और दिल्ली में 243 रन की पारी खेली थी। ऐसे में एक बार फिर 100वें टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ अपने शतकों के सूखे को खत्म कर सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ तीन से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों में विराट का औसत सबसे ज्यादा है। उन्होंने 77.23 की औसत से रन बनाए हैं।

टेस्ट में 28वें शतक पर कोहली की नजर

अपने 11 साल के टेस्ट करिअर में कोहली ने 99 मैच में कुल 27 शतक लगा चुके हैं। इसमें 7 दोहरा शतक हैं। उनका टेस्ट में औसत 50.39 का रहा है। अभी तक उन्होंने कुल 7962 रन बना लिए हैं।

मिताली की हसरत

विश्व कप ट्रॉफी के साथ विदा होना चाहती हैं मिताली राज, न्यूजीलैंड में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

आगामी आईसीसी विश्व कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहीं मिताली राज का कहना है कि लंबे कॅरिअर में उन्होंने काफी कुछ हासिल किया पर विश्व कप ट्रॉफी जीतने का सपना अभी अधूरा है। आईसीसी महिला विश्व कप 4 मार्च से शुरू हो रहा है और भारतीय टीम को पहला मैच पाकिस्तान के साथ छह मार्च को खेलना है। मिताली न्यूजीलैंड में ही 2000 में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थी। इसके दो दशक से भी अधिक समय बाद वह इसी देश में अपनी टीम की कप्तानी कर रही हैं। इस बीच 2017 में ऐसा समय भी आया जब टीम इंडिया फाइनल में इंग्लैंड से हार गई थी। इसके अलावा वह 2005 में दूसरे स्थान पर रही टीम का भी हिस्सा थी।

22 साल पहले शुरू हुआ विश्व कप का सफर

मिताली ने आईसीसी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि मैंने विश्व कप 2000 से लेकर लंबी राह तय की है। वह विश्व कप भी न्यूजीलैंड में ही खेला गया था। टाइफॉयड होने के कारण मैं उस विश्व कप के मैचों में नहीं खेल पाई अब मैं फिर से यहां हूं। यह लंबी यात्रा रही है और मैं इसका सुखद अंत करना चाहती हूं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हार गया था भारत

मिताली ने कहा कि मैं चाहती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करें। इससे भारत को यह प्रतिष्ठित कप हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत पिछली शृंखला में न्यूजीलैंड से 1-4 से हार गया था लेकिन मिताली ने कहा कि उनकी टीम चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विश्व कप से पहले हम जिन क्षेत्रों में सुधार करना चाहते थे उन पर हमने पिछली शृंखला और उससे पहले के मैचों पर ध्यान दिया। टीम अब लगातार 250 से अधिक का स्कोर बना रही है और विश्व कप में भी हम इसे बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। मिताली ने 225 वनडे मैचों में 7623 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक शामिल हैं।

भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

दोगुनी ईनामी राशि और नौ खिलाड़ियों के नियम से बढ़ेगा रोमांच

26 दिन में होंगे 31 मैच, इस बार कैसी है भारतीय महिला टीम, टूर्नामेंट के बारे में सबकुछ

महिला विश्व कप 2022 की शुरुआत चार मार्च से हो रही है। पहला मुकाबला मेजबान न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा। वहीं भारत का पहला मैच पाकिस्तान से होगा। इस बार सभी आठ टीमों के बीच 27 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद अंकतालिका में शुरुआती चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मैच होंगे और तीन अप्रैल को टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। सभी मैच न्यूजीलैंड के छह शहरों में खेले जाएंगे। दुनिया की आठ सबसे बेहतरीन आठ टीमें बे ओवल, हैमिल्टन, क्राइस्टचर्च, वेलिंगटन, ऑकलैंड और डुनेडिन में कुल 31 मैच खेलेंगी। भारत के सभी मैच दोपहर में शुरू होंगे, लेकिन भारतीय समय के अनुसार सुबह 6.30 मिनट पर आप सभी मैच हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकेंगे। भारतीय टीम पहली बार विश्व चैंपियन बनने के इरादे से टूर्नामेंट में उतरेगी। टीम इंडिया अब तक दो बार फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक खिताब नहीं जीत पाई है। 2005 में ऑस्ट्रेलिया और 2017 में इंग्लैंड ने भारत को हराया था।

महिला विश्व कप में भारत का शेड्यूल

- छह मार्च: भारत बनाम पाकिस्तान
- 10 मार्च: भारत बनाम न्यूजीलैंड
- 12 मार्च: भारत बनाम वेस्टइंडीज
- 16 मार्च: भारत बनाम इंग्लैंड
- 19 मार्च: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
- 22 मार्च: भारत बनाम बांग्लादेश
- 28 मार्च: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका

8 साल के करियर में टाइगर ने बना ली है अथाह संपत्ति

मुंबई में हैं तीन घर, जीते हैं लग्जरी लाइफ

टाइगर श्रॉफ फिल्म जगत में वह एक एक्शन हीरो के तौर पर पहचाने जाते हैं। 2 फरवरी को टाइगर का जन्मदिन है। बचपन में उनका नाम %जय हेमंत श्रॉफ% रखा था, लेकिन जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया, तब उनका नाम %टाइगर% रख दिया गया। बचपन से ही मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण ले रहे टाइगर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी चीजें सार्वजनिक नहीं करते। टाइगर श्रॉफ ने अपनी पढ़ाई अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की है। एक्टर हीरोपंती, बागी और वॉर जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। शुरुआती दौर में टाइगर का खेल और मार्शल आर्ट्स और डांस में अधिक मन लगता था। उन्होंने चार साल की उम्र से ही मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। हालांकि बाद में चलकर उन्होंने अभिनय में ही अपना करियर बनाया। टाइगर की डेब्यू फिल्म हीरोपंती थी जोकि 2014 में आई थी। बहुत की कम समय ने टाइगर लोगों के दिलों में अपनी जगह बना चुके हैं। पहली फिल्म के बाद लागा न खूब ट्रोल किया था। किसी ने टाइगर श्रॉफ के पिंक लिप्स का मजाक उड़ाया तो किसी ने उन्हें गर्ल लुक वाला बताया लेकिन उसके बाद की फिल्मों में टाइगर एक अच्छे एक्शन एक्टर बनकर उभरे। वह एक अच्छे डांसर भी हैं। वह माइकल जैक्शन के बहुत बड़े फैन हैं। स्टंट के साथ साथ उन्होंने अपनी फिल्मों में अपने डांस का जौहर भी दिखाया है। 2014 में, उन्हें ताइक्वांडो में %ब्लैक बेल्ट% से सम्मानित किया गया था। टाइगर श्रॉफ इंडस्ट्री के उन चुनिंदा कलाकारों में एक हैं जो सिगरेट या शराब का सेवन नहीं करते हैं। कुल मिलाकर कहा सकता है कि टाइगर आज के युवाओं को काफी हद तक प्रोत्साहित करते हैं। टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी एक दूसरे के काफी करीब हैं। अक्सर दोनों एक साथ इवेंट्स और सार्वजनिक जगहों पर स्पॉट किए जाते हैं। दोनों फिल्म %बागी 2% में साथ काम भी कर चुके हैं। खबरों के अनुसार दोनों कलाकार रिलेशनशिप में हैं।

मर्सिडीज V220D की मालकिन बनीं अंकिता लोखंडे

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने दिसंबर में अपने ब्वॉयफ्रेंड से शादी कर ली थी। टीवी के बाद बॉलीवुड में भी एंट्री कर चुकी अंकिता अपनी शादी के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वहीं अंकिता और विक्की जैन लग्जरी कार मर्सिडीज वी220डी के अब मालिक बन गए हैं। वीरल भयानी ने अंकिता और विक्की के घर लग्जरी कार के पहुंचने का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अंकिता अपने पति के साथ कार से कवर हटा रही हैं। वहीं उन्होंने केक काटकर कार आने को सेलिब्रेट भी किया। इस दौरान अंकिता अपनी खुशी छुपा नहीं पाई। कार खरीदने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। वहीं अंकिता लोखंडे अपने पति के साथ शो स्मार्ट जोड़ी में नजर आने वाली हैं। शो में अंकिता और विक्की ने सुशांत सिंह राजपूत का नाम लिए बिना बताया कि कैसे उनकी मृत्यु दोनों के रिश्ते की सबसे कठिन परीक्षा थी। इस बारे में बात करते हुए, अंकिता ने कहा कि मुझे याद नहीं है कि मैंने एक दिन उसे क्यों बुलाया। मुझे बस उसकी जरूरत थी, वह शुरुआत थी। इसके बाद हमने एक-दूसरे को तीन साल तक डेट किया।

अंकुर कार्यक्रम
कलेक्टर और उनकी पूरी टीम उतरी उद्यान में, सभी ने रोपा एक-एक पौधा

जबलपुर, यशभारत। हरित क्षेत्र में वृद्धि कर प्रदेश के पर्यावरण को शुद्ध रखने व प्रकृति को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से जनसहभागिता के माध्यम से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण हेतु अंकुर कार्यक्रम की अवधारण तैयार की गई है।

कार्यक्रम के अनुक्रम में शासकीय विभागों, नागरिकों, समुदाय एवं स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से 1 मार्च से 5 मार्च 2022 तक अधिकाधिक संख्या में पौधरोपण अभियान चलाया जाना है। अंकुर कार्यक्रम के तहत

1 से 5 मार्च तक जिले में चलेगा अंकुर कार्यक्रम

एक से पांच मार्च तक के पौधारोपण महाअभियान में आज बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित उद्यान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी, अपर कलेक्टर राजेश बाथम, शेर सिंह मीणा एवं सुश्री विमलेश सिंह ने पौधे रोपे । इस अवसर पर विभिन्न वभागों के जिला अधिकारियों व कमर्ज्चारियों ने भी पौधे रोपकर अभियान में भागीदारी निभाई ।

वंदेमातरम गायन के साथ हुई माह के पहले कार्य दिवस की शुरूआत

राज्य शासन के निर्देशानुसार माह के प्रथम दिन बुधवार को सुबह 10.30 बजे कलेक्टर कार्यालय प्रांगण में वंदेमातरम का गायन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

यश भारत
में पढ़ें हर गुरुवार को
डायल 100

यूक्रेन से लौटी कटनी की छात्रा ने कहा अभी हालात ठीक नहीं है, मदद की बहुत जरूरत

कटनी की सुनिधि सिंह जबलपुर पहुंची, भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

जबलपुर, यशभारत। रूस के ताबड़तोड़ हमले के बाद से यूक्रेन में चहुंओर तबाही का मंजर है। सैकड़ों लोग इसमें जान गवां चुके हैं। लाखोंलोग बेघर हो गए हैं। लोग भाग कर दूसरे देशों में शरण ले रहे हैं। इधर जो भारतीय लोग यूक्रेन में रहकर पढ़ाई या फिर नौकरी कर रहे थे वह भी दहशत में हैं । सबसे ज्यादा अगर किसी को परेशानी हो रही है तो वह है छात्रों की ,जो कि वहां पर अपने आप को अकेला व असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हालांकि भारत सरकार यूक्रेन में फंसे छात्रों को लगातार वापस लाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए चार मंत्रियों को भेजा गया है। वायुसेना उन्हें निकालने में मदद कर रही है। अब तक 1377 लोगों को निकला जा चुका है। मंगलवार को जबलपुर की शुभि गुप्ता के बाद आज बुधवार सुनिधि सिंह की वतन वापसी हुई है। सुनिधि आज सुबह दिल्ली से डुमना एयरपोर्ट पहुंची जहां भाजपा नेता और उनके परिजनों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया, सुनिधि ने बताया कि यूक्रेन के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं उसके कई साथी और भारतीय छात्र अभी भी फंसे हुए हैं, हालांकि सुनिधि ने केंद्र सरकार पर भरोसा जताते हुए कहा है कि जल्द ही सभी छात्र सकुशल भारत वापस आ जाएंगे। कटनी निवासी सुनिधि सिंह ने बताया कि वहां पर अभी हालात ठीक होने के आसार बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहे हैं। अब जबकि वह अपने परिवार वालों के बीच आ चुकी है तो अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है। बता दें कि सुनिधि सिंह कटनी जिले की निवासी हैं और वह यूक्रेन में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी। जबलपुर एयरपोर्ट में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवामोर्चा डॉक्टर अभिलाष पांडेय के नेतृत्व में शरद अग्रवाल , प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशांत तिवारी , कुंडल राव , हरीश ठाकुर , विवेक सिंह , यश दत्त , विकास आदि ने किया।

उत्तरप्रदेश के युवक ने जबलपुर में लगाई फांसी

फेरी लगाकर बेचता था दरी , शादी को हुए थे एक साल

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के हनुमानताल में किराए का कमरा लेकर भाई के साथ रह रहे उत्तर प्रदेश के युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब भाई की नींद खुली तो छोटा भाई फंदे पर झूलता हुआ देखा। यह नजरा देख भाई की चीखें निकल गयीं। जिसके बाद

आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मतीन पिता शोकत अली 22 साल उत्तर प्रदेश के सीतापुर का रहने वाला था जो अपने बड़े भाई कलीम के साथ हनुमानताल के चांदनी चौक में किराए के कमरे में रहता था। जिसने फांसी लगाकर मौत का रास्ता चुन लिया। जानकारी अनुसार मृतक युवक यहां जबलपुर में कॉलोनियों और आसपास के गांवों में जाकर, फेरी लगाकर दरी चादर बेंचने का काम करता था। इस काम में उसका बड़ा भाई भी सहयोग करता था। मृतक युवक की शादी करीब एक साल पहले ही हुई थी, लेकिन पत्नी यूपी सीतापुर में ही रहती थी और युवक यहां से आता-जाता था।

कचरा फेंकने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

एक-दूसरे को मारे चाकू

जबलपुर, यशभारत। हनुमानताल में कचरा फेंकने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू से वार कर लहूलुहान कर दिया। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मोहम्मद मंजूर पिता इमामुद्दीन 34 साल ने बताया कि वह हनुमानताल का निवासी है। दरमियानी रात मोहम्मद अरसाद पिता शेख आजाद 22 साल ने दरमियानी रात उसके घर के पास कचरा फेंक दिया और विरोध करने पर गालीगलौच करने लगे। जब उसने मना किया तो अपने साथियों के साथ किसी नुकीले हथियार से वार कर, घायल कर दिया। तो वहीं मोहम्मद अरसाद ने बताया कि कचरा फेंकने को लेकर विवाद कर, हथियार मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों ही पक्षों की रिपोर्ट पर मामला कायम कर, जांच में लिया है।

युवक पर रॉड, बेसवॉल के डंडों से किया वार

रंजिशन दिया गया वारदात को अंजाम

जबलपुर, यशभारत। थाना पनागर के बजरंग वार्ड में आपसी रंजिश को लेकर चार युवकों ने पीड़ित के ऊपर लाठी, बेसवॉल के डंडे और रॉड से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। जिसके बाद पीड़ित को जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़ित ने पुलिस की शिकायत पर मामला दर्ज कर, आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अनिल केवट 26 वर्ष निवासी बजरंग वार्ड स्टेशन कॉलोनी देवरी ने कि बताया कि उसका बड़ा भाई सुरजीत केवट मोहन कारखाने के सामने गुटका लेने गया था, राहुल केवट, छोटू केवट , भुल्ली शर्मा, शोन्टी गोटिया आये एवं पुरानी रंजिश को लेकर उसके भाई सुरजीत केवट के साथ गालीगलौज करने लगे । सुरजीत ने गालीगलौज करने से मना किया तो राहुल केवट ने लाठी, छोटू ने बेस बॉल के डण्डे, भुल्ली शर्मा ने रॉड एवं शौन्टी ने बेट से उसके भाई के साथ मारपीट कर भाई सुरजीत के हाथ, पैर, जांघ मे चोट पहुंचा दी, आवाज सुनकर वह बीच बचाव करने पहुंचा तो चारों ने उसके साथ भी मारपीट कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए।

यश भारत के 16वें वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएं
RAVI CONSTRUCTION
Pooja Homes
रवि कांस्ट्रक्शन
आफिस -14 आदर्श नगर जबलपुर,फोन-0761-3559939
दमोदर सिटी कचरवाड़ा बिलहरी, जबलपुर

अमूल दूध से भरा ट्रक पलटा

हाइवा चालक ने मारा कट फट गया टायर

माढ़ोताल के खजरी-खिरिया बायपास में हादसा, मामला दर्ज

जबलपुर, यशभारत। थाना माढ़ोताल के खजिरि खिरिया बायपास के पास दरमियानी रात अमूल दूध से भरा ट्रक पलट गया। हादसे के दौरान एक तेज रफ्तार हाइवा चालक ने कट मार दिया जिसके चलते ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और ट्रक का चक्का फट गया। जिसमें भरे हुए अमूल दूध के पैकेट पूरे रास्ते में बिखर गए। हादसे में ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बमुश्किल ट्रक को क्रेन की मदद से उठवाकर मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया है। थाना माढ़ोताल पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि चार चक्का छोटा ट्रक जबलपुर से अमूल दूध के पैकेट लोड कर, कटनी की ओर जा रहा था। जो बायपास के पास पलट गया। ट्रक चालक ने पुलिस को बताया कि एक तेज रफ्तार हाइवा चालक ने कट मार दिया। जिसके चलते जब तक वह ट्रक सम्हालता, वह पलट गया। गनीमत यह रही कि हादसे में जनहानि नहीं हुई। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
Exclusive Party Shoes
करमचंद चौक, जबलपुर
प्रो. आकाश श्रीवास्तव
मो.: 9425159114, 8982481114

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से 70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

कुल्हड़ वाला -गरमागरम केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
प्रो. प्रेरणा रोहरा
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

आर.एण्ड आर. डायबिटिक एण्ड थायराईडक्लीनिक
Dr. Abhishek Shrivastav
MD DMsc Endocrinology (England)
Masters in Endocrinology RCP (England)
Editorial Board Member Joumal of Endocrinology and Metabolism Research
Editorial Board Member MSD Research Publication
देश के जाने माने थायराइड डायबिटीज हार्मोंस रोग विशेषज्ञ इंग्लैण्ड से प्रशिक्षित अपॉइटमेंट लेने का समय सुबह10 से शाम 6 बजे तक। मो. 7869022999, 9977369339
क्लीनिक
मदन महल थाने के पास, HP पेट्रोल पंप के सामने नेपियर टाउन, जबलपुर
समय
दोपहर 12 बजे से 7 :30 बजे तक
Regd. No. 31955

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
फ्रुट आयटम उपलब्ध
चना, रेबड़ी, गजक, ड्रायफ्रूट, नमकीन, तोस, लईया, लड्डू, भेल
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

Trusted
CCTV CAMERA
Since- 2009
Sales & Sarvice
C.P. Plus, Hikvision, Dahua
AUTH.DEALER- G.S.ELECTRONIC
0% फायनेंस उपलब्ध हैं।
शॉप नं. 127, कछपुरा ब्रिज, हनुमान मंदिर के सामने, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर Mob:-9098983263,9131193852

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडोंटिक्स)
रजि नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहॉं दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
-: सुविधाएँ उपलब्ध :-
दांतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दांतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दांतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दॉंत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

1 ग्राम ए.डी. एवं फैंसी ज्वेलरी के थोक विक्रेता
पूजा जैसा कोई न दूजा
पूजा इमीटेशन
पेपर कटिंग लाने पर एक जोड़ी ईयर रिंग फ्री
मात्र 800 की खरीदी पर एक आईक्रोनिक काजल फ्री
1 ग्राम गोल्ड शोरूम
पता: चूड़ी गली, अन्नपूर्णा मार्केट, गंजीपुरा, जबलपुर (म.प्र.) मो: 9826243750

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. कार्डियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

वास्तविक नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन
शंकरा आई फाउंडेशन के VISION 100000 प्रोजेक्ट के अंतर्गत
दक्ष नेत्रालय
लेंस का भी चार्ज नहीं
डॉ. चैताली पटेल हर्षे MBBS, MS, FLVPEI (LV PRASAD EYE INSTITUTE)
डॉ. कौस्तुभ हर्षे MBBS (AFMC), DNB (GOLD MEDAL), FVRS (SANKARA)
परामर्श शुल्क 350/-
प्रथम तल, ओमेगा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर
9111021252, 0761-4925929, 7049984830
सोम- शनि । समय: 10AM-6PM

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)